हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 215, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 6 फरवरी, 2024 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

यूपी बजट : महिला, युवा, किसान और रोजगार सृजन पर फोकस

योगी सरकार ने पेश किया यूपी के इतिहास का सबसे बड़ा बजट

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2024-25 का वार्षिक बजट प्रस्तुत किया। सोमवार को विधानसभा में प्रस्तुत बजट प्रदेश के इतिहास में अबतक का सबसे बड़ा बजट है। बजट का आकार 7 लाख 36 हजार 437 करोड 71 लाख रुपये (7,36,437.71 करोड़ रुपये)

24,863.57 करोड़ की नई योजनाएं भी हुई शामिल

है। बजट में 24 हजार 863 करोड़ 57 लाख रुपये (24,863.57 करोड़ रुपये) की नई योजनाएं भी शामिल की गई हैं। प्रदेश सरकार के बजट में महिला, युवा, किसान और रोजगार सृजन पर सर्वाधिक जोर दिया गया है।

योगी सरकार के बजट में 6.6 लाख करोड़ की राजस्व प्राप्तियां- योगी सरकार के बजट में 6 लाख 6 हजार 802 करोड़ 40 लाख रुपये (6,06,802.40 करोड़ रुपये) की राजस्व प्राप्तियां तथा 1 लाख 14 हजार 531 करोड़ 42 लाख रुपये (1,14,531.42 करोड़ रुपये) की पूंजीगत प्राप्तियां शामिल हैं। इसके अलावा राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व का अंश 4 लाख 88 हजार 902 करोड़ 84 लाख रुपये (4,88,902.84 करोड़ रुपये) है। इसमें स्वयं का कर राजस्व 2 लाख 70 हजार 86 करोड़ रुपये (2,70,086 करोड़ रुपये) तथा केन्द्रीय करों में राज्य का अंश 2 लाख 18 हजार 816 करोड़ 84 लाख रुपये (2.18,816.84 करोड़ रुपये) शामिल है। यूपी के इस वित्तीय वर्ष के बजट में 5 लाख 32 हजार 655 करोड़ 33 लाख रुपये (5.32,655.33 करोड़ रुपये) राजस्व लेखे का व्यय है, जबकि 2 लाख 3 हजार 782 करोड़ 38 लाख रुपए (2.03.782.38 करोड़ रुपये) पूंजी लेखे का व्यय है। वहीं समेकित निधि की प्राप्तियों से कुल व्यय घटाने के बाद 15 हजार 103 करोड़ 89 लाख रुपये (15,103.89 करोड़ रुपये) का घाटा अनुमानित है।

लोक लेखा से 5.55 हजार करोड़ शुद्ध प्राप्तियां- इसके अलावा लोक लेखा से 5 हजार 500 करोड़ रुपये (5,500 करोड़ रुपये) की शुद्ध प्राप्तियां भी अनुमानित हैं। साथ ही समस्त लेन-देन का शुद्ध परिणाम 9 हजार 603 करोड 89 लाख रुपये (9.603.89 करोड़ रुपये) ऋणात्मक अनुमानित है। प्रारम्भिक शेष 38 हजार 189 करोड़ 66 लाख रुपये (38,189.66 करोड़ रुपये) को हिसाब में लेते हुये अन्तिम शेष 28 हजार 585 करोड़ 77 लाख रुपये (28,585.77 करोड़ रुपये) अनुमानित है।

राजकोषीय घाटा जीडीपी का 3.46 प्रतिशत- बजट में राजस्य बचत 74 हजार 147 करोड़ 07 लाख रुपये (74.147.07 करोड़ रुपये) अनुमानित है। राजकोषीय घाटा 86 हजार 530 करोड़ 51 लाख रुपये (86,530.51 करोड़ रुपये) अनुमानित है, जो वर्ष के लिये अनुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 3.46 प्रतिशत है।

'कार्यकर्ता कर्मठ और कर्मवीर होता है...', मल्लिकार्जुन खरगे के 'कुत्ते वाले' बयान पर भड़के कांग्रेस नेता

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा पार्टी कार्यकर्ता की तुलना 'कुत्ते' से किए जाने पर अब आचार्य प्रमोद कृष्णम ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे के कुत्ते वाले बयान की आलोचना की। प्रमोद कृष्णम ने मल्लिकार्जुन खरगे का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए उन पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा- 'कार्यकर्ता 'कुत्ता' नहीं होता, कर्मठ और कर्मवीर होता है माननीय अध्यक्ष जी, बात कड़वी जरूर है, लेकिन सच है।' दरअसल, कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने बगावती तेवर अपनाए हुए हैं। वह लगातार कांग्रेस पार्टी पर ही सवाल खड़े कर रहे हैं। इस बार उन्होंने पार्टी अध्यक्ष के बयान पर ही सवाल उठाए। इससे पहले उन्होंने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बहिष्कार पर पार्टी की आलोचना की थी। बता दें कि मल्लिकार्जुन खरगे ने नई दिल्ली में आयोजित न्याय संकल्प कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी कार्यकर्ता की तुलना कुत्ते से की थी।

सीएम योगी बोले- ये बजट प्रभु श्रीराम को समर्पित है

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रभु श्रीराम को समर्पित 2024-25 का बजट प्रदेश के समग्र और संतुलित विकास का आर्थिक दस्तावेज हैं। विधानसभा में बजट पेश करने के बाद विधान भवन के तिलक हॉल में प्रेस से मुखातिब मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 जनवरी 1950 को उत्तर प्रदेश की स्थापना हुई थी, यह वर्ष यूपी का अमृतकाल है। यह बजट अमृतकाल में विकास के लक्ष्यों को प्राप्त कर, अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई प्रदान करने और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दस खरब अमेरिकी डॉलर का राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री योगी ने तुलसीदास की चौपाई जेहि महुं आदि मध्य अवसाना प्रभु प्रतिपाद्ध राम भगवाना... का जिक्र करते हुए कहा कि बजट की शुरूआत, मध्य और बजट के अंत में भी प्रभु श्रीराम हैं। बजट के विचार और संकल्प में एक-एक शब्द में श्रीराम हैं। उन्होंने कहा कि श्रीराम लोक मंगल के पर्याय हैं, लोक मंगल को समर्पित है यह बजट समग्र संकल्पों को पूरा करने वाला जन कल्याण का बजट है। उन्होंने कहा कि उत्सव, उद्योग और उम्मीद यह ही नए यूपी की नई तस्वीर। उन्होंने कहा कि आस्था, अंत्योदय और अर्थव्यवस्था को समर्पित 7 लाख 36 हजार 437

करोड़ रुपये का बजट है। ये यूपी का अब तक का सबसे बड़ा बजट है। उन्होंने कहा कि बजट में 2023-24 की तुलना में 6.70 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। बजट अर्थव्यवस्था को विस्तार देने की डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता को प्रस्तुत करता है। बजट में 2, 03,742.38 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के लिए रखा गया है। उन्होंने कहा कि जब पैसा इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर खर्च होगा तो रोजगार का सृजन भी होगा और अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

बजट यूपी को देश की अर्थव्यवस्था के ग्रोथ इंजन के रूप में स्थापित करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्पों को साकार करने में अहम भूमिका का निर्वहन करेगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बजट में 24,863.57 करोड़ की नई परियोजनाएं भी हैं। युवाओं के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान एक नई योजना लागू की जाएगी। इसमें प्रदेश के युवाओं को सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के लिए पांच लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा। यूपी में रोजगार प्रोत्साहन कोष का गठन किया जाएगा। इसमें प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, अप्रेंटिंसशिप की योजना को वित्त पोषण की कार्यवाही से जोड़ा जाएगा।

उन्होंने बताया कि इनोवेशन एवं रिचर्स के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, स्टेट ऑफ आर्ट टेक्नोलॉजी के प्रयोग को प्रोत्साहन देने के लिए भी बजट प्रावधान किया है। आईटीआईटी कानपुर में मेडिकल रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी की स्थापना और 500 बेड के सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की स्थापना की जाएगी। सीएम कन्या सुंगमल योजना की धनराशि 15 से बढ़ाकर 25 हजार रुपये करने का प्रावधान है। निजी नलकूपों के किसानों को बिजली उपलब्ध करा सकें इसके लिए निःशुल्क विद्युत आपूर्ति के लिए प्रावधान किया है। 2017-18 का बजट प्रदेश के अन्नदाता किसानों को समर्पित था। 2018-19 का बजट प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास को समर्पित किया था। 2019-20 का बजट मातृ शक्ति को समर्पित करते हुए मिशन शक्ति के अभियान को आगे बढ़ाया था। 2020-21 का बजट प्रदेश की युवा ऊर्जा को समर्पित था।

10 मार्च से पहले भारत लौटेंगे सैन्यकर्मी, राष्ट्रपति मुइज्जू बोले- देश की संप्रभुता से समझौता नहीं

माले। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने सोमवार को बताया कि 10 मार्च से पहले भारतीय सैन्यकर्मियों के पहले समूह को भारत वापस भेज दिया जाएगा। वहीं दो विमानन प्लेटफॉर्म पर काम कर रहे शेष भारतीयों को 10 मई तक वापस भेजा जाएगा। संसद में अपने संबोधन के दौरान मुइज्जू ने कहा कि उनका मानना है कि मालदीव के अधिकांश लोग इस उम्मीद के साथ उनकी सरकार का समर्थन करते हैं कि वे देश से विदेशी सैनिकों को हटा देंगे। इसके साथ ही उनका लक्ष्य खोए हुए समुद्री क्षेत्र को वापस पाना है। मुइज्जू ने कहा कि उनकी सरकार ऐसे किसी भी राज्य समझौते की अनुमति नहीं देता है, जो देश की संप्रभुता से समझौता करें। 17 नवंबर को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद ही मुइज्जू ने भारत से 15 मार्च तक अपने 88 सैन्यकर्मियों को वापस बुलाने की अपील की थी। अन्य देशों के साथ राष्ट्रपति मुइज्जू की कूटनीतिक चचाएं भी जारी है। मुइज्जू ने कहा, हमने भारत से सैन्यकर्मियों को मालदीव से वापस बुलाने की अपील की है। उन्होंने कहा, 'हाल

ही में हुए चचाओं के अनुसार, तीन विमानन प्लेटफॉर्मों में से एक से भारतीय सैन्यकर्मियों को 10 मार्च से पहले वापस बुलाने के लिए कहा गया है। बाकी के दो प्लेटफॉर्म से भी 10 मार्च तक वापस बुला लिया जाएगा।' मालदीव के साथ द्विपक्षीय वार्ता में भारत ने दो फरवरी को कहा था कि द्वीप राष्ट्र में भारतीय विमानन प्लेटफॉर्म के संचालन को जारी रखने के लिए मालदीव के साथ समाधानों पर सहमति व्यक्त की गई है। वर्तमान में, भारतीय सैन्यकर्मी दो हेलीकॉप्टर और एक विमान संचालित करने के लिए मालदीव में हैं। ये सैन्यकर्मी सैकड़ों चिकित्सा निकासी और मानवीय मिशनों का हिस्सा रह चुके हैं। बता दें कि पिछले कुछ वर्षों से भारत की तरफ से मालदीव के लोगों को मानवीय और चिकित्सा निकासी सेवाएं प्रदान की गई है। राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा कि उनका प्रशासन ऐसा कुछ नहीं करने वाला है जिससे देश की संप्रभुता से समझौता करना पड़े। उन्होंने आगे कहा कि अगर इससे देश की संप्रभुता को खतरा होता है तो वह किसी भी बाहरी दवाब के सामने नहीं झुकेंगे।

'पूरी दुनिया को भारत की जरूरत', मोहन भागवत ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को बताया साहसिक कार्य

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्रा प्रतिष्ठा को एक साहसी कार्य बताया है। उन्होंने आगे कहा कि यह कार्य केवल भगवान के आशीर्वाद और इच्छा के कारण ही हो पाया है। महाराष्ट्र में पुणे जिले के आलंदी में गीता भक्ति अमृत महोत्सव में अपने संबोधन के दौरान भागवत ने कहा कि भारत को अपने कर्तव्य के लिए उठना होगा। अगर यह किसी भी कार से समर्थ नहीं हुआ तो जल्द ही पूरे विश्व को विनाश का सामना करना पड़ सकता है। मोहन भागवत ने बताया कि रामलला 22 जनवरी को पहुंचे। लंबे संघर्ष के बाद यह एक साहस भरा काम था। उन्होंने कहा, आज की पीढ़ी के लिए यह सौभाग्य है कि उन्हें रामलला को अपने स्थान पर देखने का मौका मिला। यह केवल भगवान के आशीर्वाद और इच्छा के कारण ही सफल हो पाया है। भागवत ने बताया कि उन्हें भी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का मौका मिला। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारतवर्ष को ऊपर उठना होगा, क्योंकि पूरी दुनिया को भारत की जरूरत है। उन्होंने कहा, अगर किसी कारण से भारत नहीं उठ

पाया तो पूरी धरती को विनाश का सामना करना पड़ेगा। इस तरह की स्थिति बनी हुई है, जिससे बारे में दुनियाभर के बुद्धिजीवी जानते हैं। उन्होंने इस पर बात भी की है। बता दें कि गीता भक्ति अमृत महोत्सव गीता परिवार द्वारा आयोजित किया गया है। यह गोविंद देव गिरिजी महाराज की 75वीं जयंती का एक भव्य उत्सव है।

सीतारमण ने कुछ राज्यों को कोष न देने के आरोपों को नकारा, कहा- यह महज राजनीतिक रूप से भद्दे विचार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा गैर भाजपा शासित राज्यों के लिए जाने वाले कोष पर रोक लगाने के आरोपों पर अब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चुप्पी तोड़ दी। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक रूप से भद्दे विचार हैं और निहित स्वार्थ वाले लोग खुश होकर ऐसा कह रहे हैं। दरअसल, कर्नाटक सरकार ने केंद्र पर धन नहीं देने का आरोप लगाया है। इसी को लेकर लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने एक सवाल पूछा, जिसके जवाब में वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि ऐसा हो ही नहीं सकता क्योंकि प्रणाली अच्छी तरह से स्थित है और केंद्र सरकार वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार काम करती है। प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने कहा, 'कुछ राज्यों के साथ भेदभाव होने की यह खबर महज राजनीतिक रूप से भद्दे विचार है और मुझे यह कहते हुए खेद है कि निहित स्वार्थ वाले लोग खुश होकर इसे कहते हैं।' सीतारमण ने

कहा कि कोई भी केंद्रीय वित्त मंत्री वित्त आयोग की सिफारिशों के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं है कि कोई वित्त मंत्री यह कहकर हस्तक्षेप कर सके कि उसे यह राज्य पसंद नहीं है, इसलिए उसका भुगतान बंद कर दिया जाए। यह बिल्कुल भी संभव नहीं है और न यह इस तरह से हो सकता है। प्रणाली को बहुत अच्छी तरह से स्थापित किया गया है। गौरतलब है, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा है कि कांग्रेस की राज्य इकाई सभी विधायकों, विधान पार्षदों और सांसदों सहित अंतरिम बजट में राज्य को उचित धनराशि आवंटित नहीं करने के लिए सात फरवरी को नई दिल्ली में केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक देश में दूसरा सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाला राज्य है और यह दुख की बात है कि हमारे राज्य को हर बार झटका लगता है। पिछले पांच साल से भाजपा सरकार कर्नाटक की अनदेखी कर रही है। यह अनुचित है।'

'पैगाम ए मोहब्बत है': पीएम मोदी से मिलने पहुंचे धर्मगुरु, बोले- दुनिया को पता चले कि भारत एक है

नई दिल्ली। विभिन्न धर्मों के धर्मगुरु सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मिलने संसद भवन पहुंचे। धर्मगुरु संसद की कार्यवाही भी देखेंगे। ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के मुखिया इमाम उमेर अहमद इलियासी ने कहा कि 'पैगाम ए मोहब्बत है, पैगाम देश है। आज हम प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे।' सूद ने कहा 'आज इंडियन मॉइनॉरिटी ऑर्गेनाइजेशन विभिन्न धर्मगुरुओं के साथ ससंद भवन पहुंची है। वे चाहते हैं कि दुनिया को पता चले कि भारत एक है।' इमाम उमेर अहमद इलियासी ने कहा हम मानवता का संदेश देना चाहते हैं और बताना चाहते हैं कि यही सबसे बड़ा धर्म है। हम भारत में रहते हैं और भारतीय हैं। हमें देश को मजबूत बनाना चाहिए। हम एकजुट हैं। महाबोधि इंटरनेशनल मेडिटेशन सेंटर के अध्यक्ष भिखु संघासेना ने कहा यह ऐतिहासिक पल हैं कि हम नई संसद भवन परिसर आए हैं और पीएम मोदी से बात करेंगे। हम सभी को देश की समृद्धि के लिए साथ मिलकर काम करना चाहिए। धर्मगुरुओं ने संसद परिसर में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से

मुलाकात की। संसद में प्रधानमंत्री मोदी आज राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देंगे। प्रधानमंत्री शाम पांच बजे संबोधन करेंगे। भाजपा ने अपने सांसदों को व्हिप जारी कर सोमवार को संसद में मौजूद रहने को कहा है।

स्वजातीय विवाह के लिए 55 हजार व अंतजार्तीय विवाह के लिए 61 हजार रुपये देगी योगी सरकार

लखनऊ। यूपी सरकार ने वित्तवर्ष 2024-25 के लिए बजट पेश कर दिया है। इसके अंतर्गत सरकार ने कन्या विवाह सहायता योजना के अन्तर्गत पंजीकृत श्रमिक की कुल 02 बालिकाओं को स्वजातीय विवाह की स्थिति में 55,000 रुपए तथा अन्तजार्तीय प्रकरणों में 61,000 रुपए की रकम दिये जाने का प्रावधान है। इस योजना के अन्तर्गत माह नवम्बर, 2023 तक लाभार्थी श्रमिक संख्या 2,38,856 है तथा लगभग 1302 करोड़ रुपए की धनराशि व्यय की गई है। संत रविदास शिक्षा सहायता योजना एवं मेधावी छात्र पुरस्कार योजना को एकीकृत करते हुये नयी योजना संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना कर दिया गया है। इस योजना के अन्तर्गत माह नवम्बर, 2023 तक 1,86,270 छात्र छात्राओं को लाभ हुआ तथा लगभग 58 करोड़ 46 लाख रुपए की धनराशि व्यय की गई। निर्माण श्रमिकों के बच्चों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण एवं उद्देश्यपरक शिक्षा उपलब्ध कराने की दृष्टि से प्रत्येक मण्डल में एक एक अटल आवासीय विद्यालय स्थापित किये जा रहे हैं जिसकी

कुल निर्माण लागत 1267 करोड़ रुपए है। 16 अटल आवासीय विद्यालयों का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जा चुका है। वर्तमान में कक्षा-6 हेतु शैक्षणिक सत्र 2023-24 प्रारम्भ हो चुका है। प्रदेश में एण्टी भू-माफिया पोर्टल पर अवैध कब्जे से सम्बन्धित कुल 3,72,039 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिसमें से 3,70,748 शिकायतें निस्तारित की गयी तथा अभियान के अन्तर्गत कुल 66,872 हेक्टेयर क्षेत्रफल अवैध अतिक्रमण से अवमुक्त कराया गया है। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत 1000 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। प्रदेश में शीतलहर के बचाव हेतु निराश्रित व्यक्तियों को कम्बल वितरण एवं सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने हेतु जनपदों को 52.79 करोड़ रुपए की धनराशि दिनांक 18 जनवरी, 2024 तक जारी की जा चुकी है। जनपदों द्वारा अभी तक कुल 6,66,870 कम्बलों का वितरण किया जा चुका है। राज्य आपदा मोचन बल की वर्तमान में 3 कम्पनियां स्थायी रूप से हैं तथा 3 कम्पनियों के नव सृजन की कार्यवाही प्रचलित है। रक्षाबंधन पर्व पर प्रदेश की महिला यात्रियों को निगम बसों में निःशुल्क यात्रा प्रदान की जा रही है। वर्ष 2017 से वर्ष 2023 तक 1.03 करोड़ से अधिक महिला यात्रियों को निःशुल्क यात्रा सुविधा प्रदान की गयी है। बस यात्रियों को सस्ती एवं गुणवत्ता पूर्ण यात्रा सुलभ कराये जाने के उद्देश्य से बस बेड़ो में वृद्धि हेतु 500 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। निर्भया योजना के अन्तर्गत महिलाओं के लिये 50 वातानुकूलित पिंक सेवायें संचालित हैं, जिसमें महिला यात्रियों की सुरक्षा हेतु सभी बसों में पैनिक बटन स्थापित है। किसी भी आपदा की स्थिति में यात्रारत महिलायें उत्तर प्रदेश पुलिस की डायल 112 सेवा के निरन्तर सम्पर्क में रहती है।

'मैं आंसू नहीं बहाऊंगा', हेमंत सोरेन बोले- हिम्मत है तो मेरे नाम पर जमीन के कागज दिखाएं

रांची। हेमंत सोरेन ने फ्लोर टेस्ट से पहले विधानसभा में दिए अपने भाषण में विपक्ष पर तीखा हमला बोला। हेमंत सोरेन ने कहा, 'मैं आज इस सदन में चंपई सोरेन के विश्वास मत का हिस्सा बन रहा हूं। हमारी पूरी पार्टी और गठबंधन दल चंपई सोरेन को समर्थन करता है। 31 जनवरी की काली रात रही। देश के लोकतंत्र में यह काली रात जुड़ी। देश में पहली बार किसी मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी हुई। इस गिरफ्तारी में राजभवन भी शामिल रहा। जिस तरीके से यह घटना घटित हुई है। मैं बहुत आश्चर्यचकित हूं।' हेमंत सोरेन ने कहा कि 'बड़े सुनियोजित तरीके से साल 2022 से ही इसकी पटकथा लिखी जा रही थी। इस पकवान को बहुत धीमी आंच पर पकाया जा रहा था, लेकिन अभी पकवान तैयार नहीं था और इन्होंने येन-केन प्रकारेण इसी पकवान को परोस दिया। बड़े सुनियोजित तरीके से मुझे गिरफ्तार किया गया।' पूर्व सीएम ने कहा 'बाबा साहेब आंबेडकर ने सबको समानता का अधिकार दिया। इसके लिए उन्हें अपना धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म अपनाना पड़ा। आदिवासियों के साथ भी ऐसा ही होता दिख रहा है। गरीबों, दलितों, पिछड़ों पर जो अत्याचार हो रहा है, उसका जीता जागता उदाहरण 31 जनवरी की रात को देखने को मिला।' पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'यह झारखंड है, यह देश का एक ऐसा राज्य है जहां हर कोने में आदिवासी-दलित वर्गों से अनगिनत सिपाहियों ने अपनी कुबार्नी दी हैं। करोड़ों रुपये डकार कर इनके सहयोगी विदेश में जा बैठे हैं, उनका एक बाल बांका करने की ईडी-सीबीआई के पास औकात नहीं है। ये सिर्फ देश के आदिवासी दलित-पिछड़ों और बेगुनाहों पर अत्याचार करते हैं, अगर है हिम्मत तो सदन में कागज पटक कर दिखाए कि यह साढ़े 8 एकड़ की जमीन हेमंत सोरेन के नाम पर है, अगर हुआ तो मैं उस दिन राजनीति से अपना इस्तीफा दे दूंगा।'

संपादकीय

भारत रत्न के मायने

हाल के वर्षों में यह विषय चर्चा में रहा है कि भाजपा के उभार में निर्णायक भूमिका निभाने वाले लालकृष्ण आडवाणी पार्टी के स्वर्णिम काल में किस भूमिका में हैं। यानी मार्गदर्शक मंडल के रूप में उनकी भूमिका क्या है। एक समय था जब भाजपा का नाम लिया जाता था तो पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के नाम सामने आते थे। ऐसी ही चर्चा पिछले दिनों अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान उनकी अनुपस्थिति को लेकर होती रही। लेकिन केंद्र सरकार ने बीते शनिवार को पहले जनसंघ और बाद में भाजपा के सूत्रधार रहे लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न सम्मान देकर ऐसे तमाम सवालों पर विराम लगाने का प्रयास किया। राम मंदिर आंदोलन के अगुवा रहे और सोमनाथ यात्रा के जरिये मंदिर आंदोलन में उफान लाने वाले आडवाणी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिए जाने से पार्टी व आनुषंगिक संगठनों के वे पुराने लोग उत्साहित हैं, जिन्होंने पार्टी के दो सांसदों से लेकर पूर्ण बहुमत वाली भाजपा सरकार का दौर देखा है। कुछ दिन पूर्व ही बिहार में सोशल इंजीनियरिंग के सूत्रधार व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कपूर्री ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया था। अब तक भाजपा अपने एक दशक के कार्यकाल में सात लोगों को भारत रत्न देने की घोषणा कर चुकी है। अभी तक दिये गए भारत रत्नों में लालकृष्ण आडवाणी का स्थान पचासवां है। कुछ लोग इस निर्णय को चुनावी परिदृश्य से जोड़ते हैं तो कुछ लोग प्राण प्रतिष्ठा की सार्थक परिणति से, क्योंकि 1991 की रथयात्रा के सूत्रधार आडवाणी ही थे। वहीं कुछ लोग मानते हैं कि आडवाणी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के अगुवा रहे भाजपा नेताओं की एक पीढ़ी के मार्गदर्शक रहे। जिसमें मौजूदा प्रधानमंत्री भी शामिल रहे हैं। राजनीतिक पंडित मानते हैं कि नरेंद्र मोदी को गुजरात का मुख्यमंत्री बनाने में भी आडवाणी की भूमिका रही। यही नहीं, वे गुजरात में आडवाणी की रथ यात्रा के सारथी भी रहे हैं। कहा जा रहा है कि भारत रत्न आडवाणी को देना गुरुदक्षिणा देने जैसा भी है। कई राजनीतिक पंडित पिछले दिनों बिहार में सामाजिक न्याय के अगुवा कपूर्री ठाकुर और लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने को मंडल व कमंडल को साधने की कवायद बताते हैं। बहरहाल, पार्टी ने कहीं न कहीं यह संदेश देने की भी कोशिश की है कि वह मार्गदर्शक मंडल में शामिल अपनी बुनियाद का सम्मान भी करती है। कई विश्लेषक लालकृष्ण आडवाणी के योगदान को भाजपा व जनसंघ से इतर राजनीतिक शुचिता व जीवन मूल्यों में योगदान के रूप में देखते रहे हैं। एक आक्षेप में नाम आने पर लोकसभा से इस्तीफा और स्थिति स्पष्ट न होने तक संसदीय राजनीति से दूर रहने के वायदे को उन्होंने निभाया भी। आज के राजनीतिक परिदृश्य में उनका मूल्यांकन इक्कीस ही कहा जाएगा। वे गठबंधन की राजनीति के सूत्रधार भी रहे। वर्ष 1996 में तेरह दिन में सरकार गिरने पर उन्होंने राजनीतिक छुआछूत का मुद्दा भी उठाया था, जो राजनीतिक गठबंधन के तार्किक पहलुओं पर प्रकाश डालता है। राजग गठबंधन को बेहतर ढंग से चलाने का श्रेय भी उनको जाता है।

है प्रदर्शन काल !

रस्साकस्सी चल रही ।
किसको दें कमान ?
सबकी है प्रतिष्ठा ।
और सबका सम्मान ।।
अपनी-अपनी शक्ति का ।
है प्रदर्शन काल ।।
कौन कौन है एकजुट ।
है बड़ा सवाल ।।
खुल रही है कलई ।
छिड़ा घमासान ।।
सबकी इच्छा बलवती ।
छू लें आसमान ।।
है भविष्य के गर्भ में ।
होगा कब कमाल ?
है बड़ा दिलचस्प ।
गलनी किसकी दाल ।।

-कृष्णेन्द्र राय

अध्यात्म के सहारे कैंसर को परास्त करें

ललित गर्ग

हर साल लाखों लोग कैंसर से मरते हैं, जो विश्व स्तर पर मृत्यु का प्रमुख कारण है। कैंसर से लड़ने के लिए सबसे जरूरी है कि हमें इस बीमारी के बारे में सब कुछ पता हो, इसे कैसे रोका जाए और इसको कैसे डायग्नोस किया जाए। कैंसर के प्रति जागरूकता लाने एवं इसकी जानकारी को जन-जन तक पहुंचाने के लिये पूरी दुनिया विश्व कैंसर दिवस मनाता है, ताकि हर साल लाखों लोगों को असमय काल का ग्रास बनने से रोका जा सके। पेरिस (फ्रांस) में साल 2000 में कैंसर के खिलाफ विश्व शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के दौरान विश्व कैंसर दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। यूनियन फॉर इंटरनेशनल कैंसर कंट्रोल द्वारा इस दिवस को मनाया जा रहा है। वर्ष 2024 की थीम है देखभाल अंतर को बंद करें है जो दुनियाभर में विभिन्न आय, आयु, लिंग, जातीयता आदि के समूहों की आबादी द्वारा सामना की जाने वाली कैंसर देखभाल सेवाओं तक पहुंच में अंतर को खत्म करने पर केंद्रित है।

कैंसर एक ऐसा रोग है जिसके बारे में सुनकर ही लोग डर जाते हैं। कैंसर, वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती गंभीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं एवं बीमारियों में से एक है, जिसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज का अनुमान है कि 2017 में कैंसर के कारण 9.56 मिलियन (95.6 लाख) लोगों की समय से पहले मौत हो गई। दुनिया में हर छठी मौत कैंसर के कारण होती है। मेडिकल क्षेत्र में क्रांतिकारी प्रयोग और तकनीक विकास के चलते कैंसर अब लाइलाज बीमारी तो नहीं रही है, पर अब भी आम लोगों के लिए इसका इलाज काफी कठिन बना हुआ है। असाध्य बीमारी होने के बावजूद इस बीमारी को परास्त किया जा सकता है, अगर जिजीविषा एवं हौसला हो तो कैंसर को भी पस्त किया जा सकता है। हम जानते हैं कि हममें से हर एक में बदलाव लाने की क्षमता है, चाहे बड़ा हो या छोटा, और साथ मिलकर हम कैंसर के वैश्विक प्रभाव को कम करने में प्रगति कर सकते हैं। अक्सर वही लोग खतरे में पड़ते हैं, जो खुद को खतरे में महफूज समझते हैं या खतरे को गंभीरता से नहीं लेते हैं।

मानव शरीर कई कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। इनका समय-समय पर रिप्लेसमेंट होता है। जैसे-जैसे कोशिकाएं मरती जाती हैं उनकी जगह पर नई कोशिकाओं का निर्माण होता है। इन रिप्लेसमेंट के दौरान जो सेल मल्टिप्लीकेशन होता है उसके अंदर कोई एक विकृत कोशिका भी पैदा हो जाती है और यह असामान्य कोशिका ऐसी होती है जिस पर शरीर के सिस्टम्स का कोई नियंत्रण नहीं होता और यह सेल इस तरह मल्टीप्लाई करता है कि अंततोगत्वा यह ट्यूमर अथवा कैंसर का रूप अख्तियार कर लेता है। कैंसर कई प्रकार के हो सकते हैं, सभी उम्र के व्यक्तियों में इसका जोखिम देखा जा रहा है। लक्षणों की समय पर पहचान और इलाज प्राप्त कर-के कैंसर से मृत्यु के जोखिमों को कम करने में मदद मिल सकती है। कैंसर विश्वभर में मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है। शरीर के किसी हिस्से में असामान्य कोशिकाओं की वृद्धि और इसका अनियंत्रित रूप से विभाजन कैंसर का कारक होती है। आनुवांशिकता, पर्यावरणीय, लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, रसायनों के अधिक संपर्क के कारण कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है। महिलाओं में सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर और पुरुषों में फेफड़े-प्रोस्टेट और कोलन कैंसर का खतरा सबसे अधिक देखा जाता रहा है। पिछले कुछ वर्षों में विज्ञान ने कैंसर के प्रकारों, कारणों और उपचारों में काफी विकास किया है। ऐसे तमाम आम और सेलिब्रेटी हैं, जिन्होंने कैंसर का सही समय पर जांच और इलाज करवाकर जीवन का सुख प्राप्त कर रहे हैं। इस दिशा में और भी जागरूकता और सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है। कैंसर लाइलाज नहीं है, लेकिन इसका इलाज स्टेज 1 या स्टेज 2 में पता लग जाने और तुरन्त ऑपरेशन करके निकाल देने से संभव है। इन वर्षों में अनेक प्रभावी दवाइयों एवं इलाज प्रक्रियाएं भी सामने आयी है जैसे- टार्गेटेड थेरेपी है, इम्यूनो थेरेपी है। उससे लोगों को काफी आराम मिलता है। उससे अनेक लोगों का खतरा पूरी तरह या कुछ मात्रा में कम हुआ एवं जीवन में कुछ वर्ष बढ़े हैं। कैंसर ठीक होने के सवाल में एक और बात बताना जरूरी हो जाता है कि कैंसर एक लाइफस्टाइल बीमारी भी है। इसलिये जीवन को संतुलित एवं संयममय बनाकर इस बीमारी को कम किया जा सकता है। आप कैसे रहते हैं, क्या खाते हैं, क्या आपकी आदतें हैं, क्या आपकी बुरी आदतें है, उसपर भी निर्भर करता है। लाइफस्टाइल और आहार को पौष्टिक रखने के साथ शराब-धूम्रपान को छोड़कर कैंसर के खतरे से बचाव किया जा सकता है।

असंतुलित जीवनशैली ने आज एक नहीं कई शारीरिक समस्याओं के जोखिम को बढ़ा दिया है। कैंसर भी ऐसा ही एक जोखिम है जो लंबे समय तक नजरअंदाज किये जाने के कारण अक्सर गंभीर रूप धारण कर लेता है। अगर कुछ सावधानियों को जीवन का हिस्सा बना लें तो हम ऐसी समस्याओं को आने से पहले ही रोक सकते हैं। कैंसर अब एक तरह से जीवनशैली से जुड़ी बीमारी बनती जा रही है। कई बार तो लंबे समय तक यह बीमारी पकड़ में ही नहीं आती। इसका एक बड़ा कारण जागरूकता का अभाव भी है। हालांकि, कैंसर पूर्व के कुछ लक्षण दिखते हैं, जिन्हें आमतौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है। मुंह में सफेद या लाल धब्बे, शरीर में कहीं गांठ बन जाना और उसका बढ़ना, लंबे समय तक खांसी, कब्ज की लगातार समस्या, अधिक थकान और वजन में गिरावट जैसे लक्षणों को कतई नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कैंसर को नियंत्रित करने में अध्यात्म की महत्वपूर्ण भूमिका है। क्योंकि अध्यात्म से व्यक्ति को आत्मविश्वास व मानसिक बल मिलता है। अध्यात्म के सहारे से जीवन की यात्रा को सुगम व सरल किया जा सकता है। इसे एक पारंपरिक उपचार प्रणाली के रूप में जाना जाता है, जो पूरे शरीर, मन और आत्मा में ऊर्जा के संतुलन और प्रवाह को पुनर्स्थापित करती है। जिस प्रकार दवाई हमारे शरीर के अंदर जाकर बीमारी को ठीक करती है, ठीक उसी प्रकार आध्यात्मिक इलाज हमारे मन को मजबूत बना कर किसी भी बीमारी से लड़ने की हिम्मत देता है। सुख-दुख, विपदाएं, वेदना, परेशानियां, कठिनाइयां और बीमारियों का सामना करते-करते व्यक्ति के अंदर से सकारात्मक ऊर्जा खत्म होने लगती है, जिस कारण व्यक्ति थक जाता है और अंदर से टूट जाता है। यह टूटन एवं निराशा कैंसर की सबसे बड़ी बाधा है। अध्यात्म में वो शक्ति है, जो हारे हुए व्यक्ति के जीवन में नई ऊर्जा भर देता है। अध्यात्म के बहुत सारे अंग हैं जैसे- योग, प्राणायाम, मंत्र साधना, ध्यान, आदि। इसके माध्यम से व्यक्ति अपने आप को भीतर से मजबूत बना सकता है। यही वजह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन में अध्यात्म को अपना लेता है, वो कैंसर से जुड़ी हर पीड़ा, वेदना एवं हर परिस्थिति का डटकर सामना करता है। ऐसा व्यक्ति जीवन में कभी हार नहीं सकता।

कैंसर संक्रामक रोग नहीं है। कैंसर के मरीजों से दूरी न बनाएं, बल्कि उनके साथ जुड़कर उनको मानसिक संबल दें, उनमें सकारात्मक सोच विकसित करें। कैंसर की जंग में सकारात्मक सोच रोगी का सबसे बड़ा हथियार हो सकता है। पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी युवराज सिंह हों या कई बॉलीवुड सितारे, सबने अपनी सकारात्मक सोच के जरिए ही कैंसर पर विजय हासिल की है। सकारात्मक सोच वाले शरीर पर ही दवाइयां अपना असर दिखती हैं। इसलिए कभी भी व्यक्ति को हताश नहीं होना चाहिए। योग से शरीर, मन और आत्मा को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। योग तनाव और चिंता का प्रबंधन करने में भी सहायक है। यह शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और मानसिक तनाव को दूर करता है। रोजाना 30 मिनट तक योग करके कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है।

लाल कृष्ण अडवाणी ने बदला भारत की राजनीति का कलेवर

तरुण विजय

लाल कृष्ण अडवाणी को भारत रत्न मिलना वास्तव में सम्मान का ही सम्मान है, दो से शिखर तक ले जाने वाले भाजपा के राम भक्त सेनानी नेता अडवाणी ने राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को स्थापित किया जब उसके बारे में कहा जाता था की यह तो एके हंगल जैसे साइड करैक्टर की तरह हो सकती है मुख्य धारा में तो कांग्रेस और सेकुलर दल रहेंगे। अडवाणी उस समय देश के सार्वजनिक संवाद की दिशा और धारा बदलने में सफल हुए जब हिन्दुओं पर हमला बोलना, उनकी आस्था की आलोचना करना ही सेक्युलर वाद समझा जाता था। किसी ने उनसे पहले छद्म सेक्युलर वाद की चर्चा प्रारम्भ करने का साहस नहीं दिखाया था। उन्होंने विश्वास पैदा किया कि हिंदुत्व पर आधारित राजनीतिक दल देश में सबके साथ समन्वा कर सकती है- जब उनके नाम के लिए प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी स्वाभाविक मानी जाती थी उन्होंने भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अटल जी को प्रधानमंत्री पद हेतु घोषित कर सबको अचंभित कर दिया था।

उनके जीवन की सबसे बड़ी यात्रा सोमनाथ से अयोध्या की यात्रा रही जिसमें मैं उनके साथ रथ में श्री नरेंद्र मोदी जीके साथ बराबर बना रहा। जहाँ उनकी रथ यात्रा के पहुँचने का समय रात्रि नौ बजे होता था, मार्ग में अत्यधिक उत्साह और भीड़ के कारण इतनी देरी होती थी कि हम रात्रि 1-2 बजे पहुँच पाते थे, फिर भी हजारों लोग उनको सुनने के लिए टिके रहते थे। उनकी रथ की पूजा होती थी, उनके टोयोटा रथ के टायरों की पूजा होती थी, उनको हिन्दू पुनर्जागरण का अग्रदूत माना जाता था।

अडवाणी जी सहृदय और सदैव कार्यकर्ताओं के स्नेही रहे। जब जब नरेंद्र भाई मोदी के लिए संगठन में संकट आया उन्होंने अटलजी से आग्रहपूर्वक उनका साथ दिया.. नरेंद्र भाई ने भी अडवाणी जी के प्रति अपना आदर भाव सदैव बनाये रखा। उन के साथ लम्बे समय तक अंतरंग कार्य करते हुए उनके शालीन, शांत, कभी न उग्र होने वाले स्वाभा से मैं सुपरिचित हूँ। उन्होंने सिंधु दर्शन कार्यक्रम के लिए पूरा सहयोग और आशीर्वाद दिया जिससे लड़काः की रक्षा हो सकी और वहां के आर्थिक विकास के लिए असाधारण सहा यता मिली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निष्ठावान स्वयंसेवक हैं। उन्होंने भारत रत्न की स्वीकारोक्ति का जो वक्तव्य दिया है उसमें परम पूज्य श्री गुरूजी के उस वाक्य का उद्धरण दिया है जिसमें इदं न मम इदं राष्ट्राय स्वाहा कह कर सब कुछ राष्ट्रार्पित करने की बात कही गयी थी। पंडित दीन दयाल उपाध्याय के प्रति उनकी अनन्य भक्ति इतनी है कि उनको एकात्म मानववाद का व्याख्याता भी कहा गया। आगेर्नाइजर साप्ताहिक में फि ल्म समीक्षक तथा जब उसके संपादक श्री के आर मलकानी अमरीका यात्रा पर गए तो उसका कार्यभार सँभालने वाले अडवाणी जी की फिल्मों में रूचि जगत प्रसिद्ध है। हर अच्छी फिल्म का उनके द्वारा अक्सर दिल्ली के महादेव रोड फिल्म सभागार में प्रदर्शन होता ही था। उनके साथ मुझे कई फिल्में देखने का अवसर मिला। जब वे देहरादून आये तो मेरी माताजी से मिलने हमारे एक अत्यंत तंग गली के, मकान में आये थे तो पूरे नगर में आश्चर्य हुआ सुरक्षा कर्मी बेहद परेशान भी हुए। उसी रात्रि हम सब देहरादून के एक थियटर में फिल्म देखने गए। उनके जीवन में बहुत दुख वेदनाएँ आयीं। कई अत्यंत कष्टकारी प्रकरण बने, जिन्होंने उनको बहुत व्यथित किया। पर कभी अपने दुःख, वेदना को उन्होंने व्यक्त नहीं किया। अडवाणी जी शाकाहारी हैं, नियम के पक्के, बहुत सीमित और काम खाने वाले। उनको चोकोलेट पसंद है और नवीन पुस्तकों का उनके पास भंडार रहता है। उनके ब्लॉग बहुत लोकप्रिय रहे और उनकी आत्मकथा ने रेकार्ड तोड़ बिक्री की थी।

उनके साथ मेरा पहला साक्षात्कार 1979 में पाञ्चजन्य के लिए किया था- और अनेकानेक साक्षात्कारों का संग्रह दिल्ली की प्रकाशक किताबघर ने छापा है। वे बहुत भावुक हैं और जरा सी भावनाप्रधान बात पर उनकी आंखे नम हो जाती हैं। उन्होंने कंभी अपने बच्चों को राजनीति में आने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया। उनकी बेटी प्रतिभा में उनके प्राण हैं और उनकी सहधर्मिणी आदरणीय कमला जी अडवाणी जी को अपना "राम" मानती थीं। अडवाणी जी दीघार्यु हों और सच्चे भारत रत्न की भांति सबको राष्ट्रीयता की प्रेरणा देते रहे यही शुभ कामना है।

गांधी परिवार का वर्चस्व स्वीकारने से परहेज

राजेश रामचंद्रन

लंबे अर्से से नेहरू-गांधी परिवार और सत्ता सुख में भागीदारी पाने के चाहवान कांग्रेसजनों के बीच एक तरह का समझौता रहा है। परिवार अपने खेमेदार और अनुचरों को ताकतवर पद देने की गारंटी देता है, निम्नतम स्तर पर निगम पार्षद से लेकर शीर्षस्थ स्तर पर केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल करने तक। बदले में, कांग्रेस का प्रथम परिवार उनसे पूर्ण वफादारी और समूचे कांग्रेस राजनीतिक उद्यम पर अपने लिए निर्विवाद मिल्कियत चाहता है। यहां, गांधियों का रुतबा इहलोक के शेष एक समान में प्रथम वाला न होकर, इतिहास में राजा को दिव्य पुरुष मानकर उसके समक्ष करबद्ध रहने जैसा है।

यह समझौता प्रथम प्रधानमंत्री के साथ शुरू हुआ था, जोकि स्वाधीनता संग्राम में अपनी भूमिका के कारण वैध वसीयतदार और राष्ट्र-निर्माण मिशन के सबसे कद्दावर झंडाबरदार बनकर उभरे थे। नेहरू के बरक्स उनकी पुत्री इंदिरा गांधी को कांग्रेस से दो बार निष्कासित किया गया, दोनों मर्तबा उन्होंने अपनी पार्टी बना ली थी और लंबे समय तक सफलता पाने वाला बनाया। अतएव, इंदिरा गांधी के साथ ताकत का सुख चाहने वाले कांग्रेस कार्यकताओं का समझौता निजी कारणों से रहा और जल्द ही यह समझौता पारिवारिक विरासत में तब्दील हो गया। राजीव और सोनिया के बाद, अब उनके बच्चे बतौर उत्तराधिकारी यह समझौता जारी रखने की कोशिश में लगे हुए हैं, बिना यह अहसास किए कि समझौते के हालात बदल चुके हैं और शामिल पक्षों के भी। सर्वप्रथम, राहुल गांधी की कांग्रेस अपने बूते पर एक निगम पार्षद तक को जितवाने की गारंटी नहीं दे सकती, लोकसभा में 272 सीटें पाना तो दूर। वास्तव में, हो सकता है राहुल गांधी को चुनावी जीत के लिए पारिवारिक गढ़ कही जाने वाली अमेठी सीट छोड़कर, केरल के मुस्लिम बहुल वायनाड़ लोकसभा क्षेत्र में पुनः शरण लेनी पड़े। हिमाचल प्रदेश में चर्चा चली हुई है कि शायद सूबे के कोटे से राज्यसभा में सोनिया या प्रियंका को भेजा जाए, यह फिर से, रायबरेली सीट परिवार की पकड़ से फिसलने के भय का प्रतीक है। साल 2019 में सोनिया गांधी की जीत का अंतर 2014 के चुनाव से आधा रह गया था।

इसलिए, प्रथम परिवार अपनी अजेयता और पारलौकिक आभामंडल गंवा बैठा है। अब तो यह मात्र एक निराला, मशहूर राजनीतिक परिवार है, जो चार पीढ़ियों तक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर सत्ता में बना रहा (यदि मोतीलाल नेहरू को गिन लें तो देश की राजनीति में शीर्षस्थ रही पांचवीं पीढ़ी), परंतु वर्तमान में वह है जो निजी करिश्मे से न तो खुद का रिवायती चुनावी क्षेत्र जीत पाए, न ही राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी को जीत दिला सके। समझौते का आधार तत्व बदल चुका है। तथापि, गठबंधन साझीदारों से गांधी इस तरह बर्ताव करना चाहते हैं जैसा कि वे अपने पारिवारिक कृपापात्रों के साथ करते आए हैं। गांधियों के नामजद मल्लिकार्जुन खड़गे को जो भाए, जरूरी नहीं वह नीतीश कुमार या ममता बनर्जी या एचडी देवेगौड़ा को भी सुहाए।

नीतीश कुमार का एक बार फिर गुलाटी मारकर इंडिया नामक गठबंधन छोड़ना और भाजपा-नीत एनडीए में पुनः शामिल होना नवीनतम सबूत है कि राहुल-कांग्रेसजन समझौते सरीखी स्थिति वर्तमान और भावी गठबंधन नेताओं को कबूल नहीं है। उनमें हरेक ने अपनी हैसियत कांग्रेस से राजनीतिक लड़ाई लड़कर पाई है और अपने लिए अलग जगह बनाई है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सीताराम केसरी को लेकर बहुत सी कहानियां हैं कि कैसे उन्होंने निष्ठुरता से ममता को पार्टी से बाहर किया और गांधियों ने सुनवाई तक से इनकार कर दिया। अतएव यह उम्मीद करना अनाड़ीपन होगा कि ममता गांधियों को ताकतवर बनाने वाले या उनके नामजद को प्रधानमंत्री बनाने वाले किसी समझौते का सम्मान करेंगी, बशर्ते नामित स्वयं न हों।

यही बात नीतीश और देवेगौड़ा पर लागू होती है। नीतीश कुमार जयप्रकाश नारायण द्वारा 1970 में चलाई गयी इंदिरा-विरोधी लहर का उत्पाद हैं तो 1997 में देवेगौड़ा के प्रधानमंत्री रहते कांग्रेस ने उनकी पीठ में छुरा घोंपा और सरकार गिरा दी थी। यहां तक कि सीपीआई (एम) के महासचिव सीताराम येचुरी के राहुल के साथ निजी तौर पर अच्छे संबंधों के बावजूद, केरल में उनका दल अपने वजूद के लिए कांग्रेस के साथ राजनीतिक संग्राम में आमने-सामने रहेगा। केरल पुलिस बारम्बार कांग्रेस कार्यकताओं की निर्ममतापूर्वक पिटाई करती है और बदले में वे सीपीआई (एम) पर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को सत्ता में बनाए रखने के लिए भाजपा से मदद लेने का आरोप लगाते हैं। यहां मजेदार है कि विजयन के विरुद्ध बहुत सारे भ्रष्टाचार के मामले होने के बावजूद केंद्रीय एजेंसियां उनके प्रति काफी नर्म रवैया अपनाए हुए हैं।

अतएव वास्तव में ऐसी कोई असल वजह नहीं है कि वर्तमान या भावी गठबंधन के साझीदार गांधी परिवार के प्रति करबद्धता वाला सम्मान रखेंगे। लोकसभा चुनाव की संध्या पर बनी यह वास्तव में एक अनोखी राजनीतिक स्थिति है, जहां हर कोई अपने लिए लड़ रहा है तो भाजपा उन सबके खिलाफ। यहां हर किसी की इच्छा लोकसभा चुनाव में अपने उम्मीदवारों के लिए अधिक से अधिक टिकट पाना है, निशाना प्रधानमंत्री पद है। यदि नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नहीं बनाना तो इंडिया गठबंधन की उनके लिए कोई उपयोगिता नहीं, और अगर ममता को अपने यहां कांग्रेस और सीपीआई (एम) को कीमती सीटें देनी पड़ गईं तब उनकी तृणमूल कांग्रेस के लिए तो यह गठजोड़ उलटा नुकसानदायक हुआ। अगर बंगाल में राहुल गांधी की कार पर पत्थरबाजी हुई है, तो ये तृणमूल द्वारा अपनी जमीन पर कब्जा रोकने का सुरक्षात्मक संकेत है। चुनाव संध्या पर कांग्रेस का उद्देश्य गठबंधन को मजबूत बनाने की बजाय अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा से केवल राहुल की छवि चमकाना है। उदाहरणार्थ, यदि कांग्रेस केरल में जीत जाती है, जैसी कि उम्मीद है, तो राष्ट्रीय राजनीति में सीपीआई (एम) का होना-न होना एक बराबर होगा।

लेकिन कांग्रेस अपने साझेदारों के राजनीतिक वजूद संबंधी असमंजसों को पहचान नहीं रही या फिर गठबंधन-निमार्ता की भूमिका निभाने से इनकार कर रही है। इसका सारा प्रयास राहुल को प्रधानमंत्री मोदी के राष्ट्रीय विकल्प के तौर पर पेश करने में लगा हुआ है, तिस पर रवैया और घमंड वही सत्ताधीशों वाला। यदि भाजपा से चुनावी संग्राम में ज्यादा से ज्यादा सीटें पाने के लिए यह अपने गठबंधन साझेदारों के लिए माकूल जगह नहीं छोड़ेगी तो बाद में मौका हाथ से गंवाने का पछतावा ही बाकी रहने वाला है। जिन राज्यों में कांग्रेस कमजोर है वहां भी इसे जीत के लिए अपने साझेदारों की पीठ पर सवार होना गवारा नहीं। जिस प्रकार हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ या फिर राजनीतिक तौर से द्वि-ध्रुवीय सूबों में समाजवादी पार्टी या तृणमूल कांग्रेस या आम आदमी पार्टी अपने लिए सीटें छोड़ने को नहीं कह सकते, वैसे ही बंगाल में कांग्रेस को ममता की सुनने की जरूरत है।

जहां तक नीतीश कुमार पर मौकापरस्ती का आरोप लगाने की बात है, तो चरण सिंह और चंद्रशेखर से लेकर देवेगौड़ा और आईके गुजराल जैसे अनेकानेक नाम हैं, जिनके साथ कांग्रेस ने दुरभिसंधि की और फिर पश्चिम बंगाल में 2011 के विधान सभा चुनाव का उदाहरण भी है, जब कांग्रेस ने सीपीआई (एम) का वर्चस्व खत्म करने को टीएमसी के साथ हाथ मिलाया था। इसलिए अपने साझीदारों को घरेलू बंधक न मानकर उन्हें बराबर का हिस्सेदार बनाने के लिए कांग्रेस को अपनी गठबंधन-रणनीति पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की जरूरत है।

तकनीकी विकास से ही डिजिटल भारत का सपना पूर्ण होगा : पीयूष राय

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। खरडीहा महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद तकनीकी सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत राज्य के युवाओं को तकनीकी से समृद्धि करने हेतु शासन से उपलब्ध कराए गए 222 स्मार्ट फोन का वितरण मुख्य अतिथि भाजपा नेता पीयूष राय तथा शासन के प्रतिनिधि नायब तहसीलदार विपिन चौरसिया, महाविद्यालय प्रबन्धक डॉ0 शशिकांत राय की उपस्थिति में महाविद्यालय के बृज मंगल राय सभागार में किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पीयूष राय ने शासन के इस योजना को रेखांकित करते हुए कहा कि आज के सार्वभौमिक गाँव की परिकल्पना में तकनीकी से सशक्त युवा ही सशक्त समृद्धि और शिक्षित भारत राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। बिना तकनीकी ज्ञान के आज का युवा अपूर्ण है चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या आर्थिक व सामाजिक जीवन की गतिविधि हो।शासकीय प्रतनिधि नायब तहसीलदार विपिन

चौरसिया ने कहा कि आज के से दौर में तकनीकी ज्ञान और स्मार्ट फोन के बिना कोई भी जानकारी सम्भव नहीं है। सभी युवा इसे क्रय करने में समर्थ नहीं है इसलिए शासन द्वारा इस महत्वाकांक्षी योजना को संचालित किया जा रहा है।उन्होंने सभी लाभार्थियों से आग्रह किया कि स्मार्टफोन का उपयोग अपने ज्ञान वृद्धि के लिए करे तथा इसके दुरुपयोग से बचने का प्रयास करें। महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ0 शशिकांत राय ने सभी लाभार्थी छात्रों से अपील करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटलीजेंस के विकास और विस्तार ने युवक के सोच को गतिशील बना दिया है जिस कारण उनके जीवनशैली तथा दैनिक गतिविधियों में काफी परिवर्तन दिखाई देने लगा है। इसके लाभ हानि दोनों पक्ष है। उन्होंने कहा कि इसके लाभकारी पक्षों की स्वीकार्यता समाज मे होगी इसलिए सभी छात्र तकनीकी उपयोग के लाभकारी पक्षों को चुनने की शपथ ले। विशिष्ट अतिथि डॉ0 कृष्ण कांत राय ने कहा कि मानवीय जीवन को वर्तमान में संचार के साधनों ने सबसे अधिक प्रभावित किया है।इसलिए सभी युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनना होगा तभी उनका समुचित विकास सम्भव होगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 कुँवर भानु प्रताप सिंह ने कहा कि शासन की नीति है कि आज के दौर के प्रत्येक युवाओ को तकनीकी ज्ञान आवश्य हो विशेष तौर पर शिक्षा तकनीकी पूर्णता के बगैर अधूरी है, इन्होंने सभी लाभार्थी छात्रों को नवीन जीवन के आरम्भ के लिए शुभकामनाएं दिया।स्मार्टफोन वितरण के इस कार्यक्रम का संचालन स्मार्टफोन वितरण प्रभारी डॉ0 अवनीश कुमार राय ने किया तथा डॉ0 सरफराज अहमद में सभी तकनीकी सुविधा को उपलब्ध कराने में सहयोग किया। इस अवसर पर मेंहदी हुसेन, अशोक कुमार यादव, मनोहर सिंह यादव और रूपेश राय ने लाभार्थी छात्र छात्राओं का सहयोग किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रध्यापक डॉ0 रत्न प्रकाश दिवेदी, डॉ0 आनन्द कुमार त्रिपाठी, डॉ0 विनीता शुक्ला, डॉ0 शिव शंकर,डॉ0 सुशील कुमार सिंह यादव आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ0 कृष्ण प्रताप सिंह ने किया।

सनबीम स्कूल सारनाथ में फेस्टिवल ऑफ मल्टिपल इंटेलिजेंसेस फोमि कार्यक्रम सम्पन्न

वाराणसी। सनबीम स्कूल सारनाथ में फेस्टिवल ऑफ मल्टिपल इंटेलिजेंसेस फोमी कार्यक्रम आयोजित किया गया। आज के वर्तमान समय में शिक्षा के स्वरूप में अनेक परिवर्तन आ रहे हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली दिन-प्रतिदिन अत्याधुनिक होती जा रही है। यह शिक्षा प्रणाली सिद्ध करती है कि हर छात्र खास है, हर छात्र में कोई न कोई योग्यता व विशेषता प्राकृतिक रूप से विद्यमान है। इसी बात को अभिभावकों तक पहुँचाने और शिक्षा जगत में नित्य हो रहे रचनात्मक परिवर्तनों से अवगत कराने हेतु सनबीम स्कूल सारनाथ में फेस्टिवल ऑफ मल्टिपल इन्टेलिजेंसेस का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में आने वाले सत्र के लिए नर्सरी से कक्षा 8 तक के बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर 300 छात्र एवं छात्राएं अपने अभिभावको के साथ उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के माध्यम से मल्टिपल इन्टेलिजेंस के अन्तर्गत छात्रों को किस प्रकार पढ़ाया जा सकता है यह प्रदर्शित किया गया। इस फेस्टिवल ऑफ मल्टिपल इन्टेलिजेंसेस कार्यक्रम के अन्तर्गत हॉवर्ड गार्डनर द्वारा परिभाषित आठ मल्टिपल इन्टेलिजेंसेस विजुअल स्पेशल वर्बल लिग्विस्टिक म्यूज़िकल राइटमिक लॉजिकल मैथमेटिकल इंटरपर्सनल नेचुरलिस्ट एंड बोडिली किनेस्टलिस्ट की उस थ्योरी को बखूबी दशार्या गया जिसके अनुसार हर छात्र प्रतिभाशाली है। हॉवर्ड गार्डनर की यह थ्योरी हर बच्चे को एक अलग पहचान देती है। अभिभावकों के लिए यह आयोजन अपने आप में एक अलग अनुभव था जिसे उन्होंने बहुत पसंद किया। सनबीम शिक्षण समूह के चेयरपर्सन डॉ० दीपक मधोक डायरेक्टर श्रीमती भारती मधोक डिप्टी डायरेक्टर श्रीमती अमृता बर्मन ऑनरेरी डायरेक्टर हर्ष मधोक डीन आदित्य चौधरी ने अपने सम्बोधन में कहा कि सनबीम शिक्षण समूह छात्रों के बहुमुखी और सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सनबीम स्कूल सारनाथ की कार्यकारी प्रधानाचार्या सुश्री आरती ने सनबीम सारनाथ में आये छात्रों और अभिभावको को संबोधित करते हुए सनबीम की शिक्षा नीति के बारे में अवगत कराया।

खत्री युवा सभा ने केपीएल -2024 का किया आयोजन

वाराणसी। खत्री हितकारिणी युवा सभा द्वारा वाराणसी के सभी खत्री भाइयों के लिए कैनवस बाल क्रिकेट टूनार्मेंट के पी एल -2024 (खत्री प्रीमियर लीग) का आयोजन आज पी एन यू ग्राउंड में किया गया। यह क्रिकेट टूनार्मेंट पूरी तरह मनोरंजन एवं साहचर्य का समागम रहा इस टूनार्मेंट में मुख्य अतिथि खत्री हितकारिणी सभा के संरक्षक आदरणीय डॉ दीपक मधोक जी थे। इस टूनार्मेंट का उद्घाटन खत्री हितकारिणी सभा के अध्यक्ष डॉ० अश्विनी टंडन जी ने किया। इस क्रिकेट टूनार्मेंट में 15-15 ओवर के 5 मैच खेले गए जिसमे 16 वर्ष से लेकर 50 वर्ष तक के खत्रियों ने भाग लिया। इसके पी एल टूनार्मेंट में खिलाडियों व दर्शकों के मनोरंजन ढोल व म्यूजिक की व्यवस्था की गयी थी साथ ही साथ खिलाडियों के लिए उत्तम नाश्ते व भोजन की भी व्यवस्था थी। के पी एल के चेयरमैन व खत्री युवा सभा के संरक्षक राजीव खन्ना जी ने इस के पी एल -2024 के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई एवं साहचर्य में युवा सभा के बढ़ते कदमों की सराहना की । खत्री हितकारिणी युवा सभा के अध्यक्ष श्री नितिन टंडन जी ने कहा की खेल आज को बेहतर बनता है एवं भविष्य का निर्माण करता है। उन्होंने कहा की युवा सभा के साथियों की आपसी समन्वयक की वजह से आज खत्री युवा सभा हर क्षेत्र में कार्य कर खत्री गौरव को आगे बढ़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया की यह मैत्री खेल स्पर्धा आपसी भाईचारे की भावना को और प्रबल करेगी। के पी एल -2024 के कार्यक्रम समन्वयक श्री मनीष टंडन जी एवं उ.अ. अतुल सेठ जी एवं सभी खिलाडियों का परिचय प्राप्त किया। महामंत्री गुंजन कपूर ने एवं दर्शक दीर्घा में बैठे सभी खत्री भाइयों का स्वागत किया बच्चों को खेल के महत्व के बारे में बताया। कोषाध्यक्ष श्री विवेक खन्ना जी ने अपनी संस्था के द्वारा हो रहे नियमित कार्यक्रमों पर हर्ष जताया तथा वहां उपस्थित समाज के सभी वरिष्ठ जनों को आभार प्रकट किया। प्रशांत कपूर, डॉक्टर अम्बर भाटिया, अमित वासुदेवा, हिमांशु भोला, राहुल पुरी, प्रियंक मेहरोत्रा, अरुण आहूजा, मोहित मंधान, समीर भसीन, रोहित कपूर, राहुल खनेजा, आशुतोष बेहेल, विनम्र कपूर, अक्षत टंडन, अमन मेहरा, गौतम अरोड़ा, सचिन साहनी, नमन कपूर, प्रवीण मेहरोत्रा, परस बर्मन, आकाश राज अरोड़ा, राज ग्रोवर, शिवम् सेठ, सिद्धार्थ गुलाटी, विक्रम बर्मन अशोक धवन एमएलसी एवं गणमान्य खत्री बंधुओं ने के पी एल के आयोजन में उत्साह के माहौल को और प्रज्वलित किया।

ई-टेक्नोलॉजी में प्रशिक्षणरत छात्राओं में हुआ निःशुल्क ड्रेस वितरण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। कौशल विकास मिशन योजना अंतर्गत हाईटेक कॉलेज आफ मैनेजमेंट एण्ड ई टेक्नोलॉजी हंसराजपुर में प्रशिक्षणरत छात्राओं को निःशुल्क ड्रेस वितरित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. ए. के. राय जोन सचिव उ.प्र. अपराध निरोधक समिति लखनऊ तथा कौशल विकास मिशन योजना गाजीपुर के डीपीएम दुर्गेश दूबे द्वारा दो बैच की कुल 54 छात्राओं को दो-दो सेट ड्रेस तथा पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। अपने सम्बोधन में डा ए के राय ने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया के अधिकांश कार्य इंटरनेट पर निर्भर है और हम पूरी तरह डिजिटल होने की ओर अग्रसर हैं। बदलती टेक्नॉलॉजी के साथ यदि हम नहीं बदले तो हम पीछे रह जायेंगे। सरकार आपको निशुल्क कंप्यूटर का प्रशिक्षण देकर आपको अपडेट रखने की कोशिश कर रही

है। आपका कर्तव्य है कि मनोयोग से अपने पाठ्यक्रम को पूरा कर आगामी जीवन में इसका लाभ उठाएं । कार्यक्रम के अध्यक्ष डीपीएम दुर्गेश दूबे ने कौशल विकास मिशन योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान सरकार आपको प्रशिक्षण देकर इस लायक बनाना चाहती है कि आप इसका उपयोग कर स्वयं व अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकें। संस्था के निदेशक प्रकाश गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्था इस ग्रामीण क्षेत्र में कौशल विकास मिशन योजना के तहत सरकार की मंशा को फलीभूत करने में लगी है। संस्था भविष्य में भी प्रशिक्षणार्थियों के हर सहयोग करने को तत्पर रहेगी। इस अवसर पर अमित यादव, सुरेश यादव, प्रदीप यादव, संजय भारद्वाज, सिराजुद्दीन अंसारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। संचालन राम रतन चौहान ने किया।

भाजपा अध्यक्ष सुनील सिंह के अध्यक्षता में हुआ शक्ति वंदन कार्यशाला का आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय छावनी लाइन पर आज सोमवार को स्वयं सहायता समूह एवं मानव सेवा के क्षेत्र में काम कर रहे गैर सरकारी संगठनों से सम्पर्क कर उनके सम्मान के कार्यक्रम "शक्ति वंदन अभियान" की जिला कार्यशाला भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी राकेश त्रिवेदी ने कहा कि महिलाओं के उन्नति और प्रगति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं सहायता समूह एवं गैर-सरकारी संगठनों के माध्यम से बहु आयाम स्थापित किए हैं। जिसके माध्यम से महिलाओं को शक्तिशाली बनाया जा रहा है, यह नारी शक्ति के लिए आशा की किरण है।जिसके जरिए बहुत सी महिलाएं लखपति बन चुकी है। उन्होंने कार्यशाला मे आगामी विभिन्न कार्यक्रमों का

विस्तार से वर्णन करते हुए उपस्थित लोगों का वृत लिए तथा कार्यक्रम के सम्बन्धित तैयारियों में सक्रियता से लगने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कार्यशाला विषय रखते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदैव से महिलाओं के सर्वांगीण विकास और सम्मान के लिए प्रयासरत रही है और समय समय पर अवसर मिलने पर उनके लिए बड़े निर्णय भी लिया है।तीन तलाक और नारी शक्ति वंदन कानून महिलाओं के सामाजिक समृद्धि के प्रति बहुत बड़ा काम है जिससे समाज में महिलाओं के स्थापना में सहयोग का अतुलनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि शक्ति वंदन अभियान महिलाओं के सम्मान का कार्यक्रम है। लोकसभा प्रभारी आर पी कुशवाहा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता सदैव समाज में समन्वय स्थापित कर तत्परता एवं शालिनता की कार्य संस्कृति का पोषक रहा है और हमे गर्व है की उसी संस्कृति के दम पर भाजपा आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है।लोकसभा संयोजक कृष्ण बिहारी राय ने सबके प्रति आभार धन्यवाद प्रकट करते हुए कार्य शाला का समापन किया।

प्रेमिका के साथ कमरे में पकड़ा गया प्रेमी, परिजनों ने थाने में रचाई शादी

वाराणसी। मिजार्मुराद क्षेत्र के गणेशपुर गांव निवासी मुकेश कुमार पटेल नामक युवक उसी गांव की रहने वाली युवती से प्यार हो गया। पारिवारिक विरोध के बाद भी दोनों चोरी छुपे एक दूसरे से मिलते रहे। इसी बीच शनिवार रात प्रेमी अचानक से अपनी प्रेमिका से मिलने पहुंच गया। युवती के परिजनों को इसकी भनक लगने पर उन्होंने युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं प्रेमिका भी अपने प्रेमी से मिलने रविवार की सुबह थाने पहुंची, जहां वह अपने प्रेमी के साथ जीने व साथ मरने की कसमें खाने लगी। दोनों पक्षों के परिजनों द्वारा विरोध व मान मनौवल भी काम नही आया। अन्ततः मिजार्मुराद थाना परिसर स्थित राम जानकी मंदिर में ही परिजनों ने दोनों की एक दूसरे से शादी रचा दी। जिसके बाद दोनों अपने घर के लिए रवाना हुए। जानकारी के मुताबिक, प्रेमी युगल की प्रेम कहानी आज से 5 वर्ष पूर्व 2019 मे छात्र जीवन के दौरान शुरू हुई।

चुनावी वर्ष में किसानों पर सरकार का विशेष ध्यान है : डॉ. रविशेखर सिंह

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के इस वर्ष के बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए पीजी कालेज के विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग पीजी कालेज डॉ. रविशेखर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने इस वर्ष अब तक सबसे बड़े बजट में किसानों, महिलाओं और युवाओं को केंद्र में रखा है। किसानों के लिए अनेक नई योजनाएं जैसे खेत सुरक्षा योजना, उत्पादक ग्रुप के माध्यम से महिला किसान सशक्तिकरण पर बल, राज्य कृषि विकास योजना, ब्लॉक व पंचायत स्तर पर स्वचालित मौसम केंद्र एवं वर्षा मापी यंत्र लगाने की योजना इत्यादि की बात बजट में है। इसके अतिरिक्त निजी नलकूप संचालित करने वाले किसानों के लिए 2400 करोड़ का आवंटन है। निराश्रित महिलाओं का पेंशन बढ़ाकर 1000 रुपए प्रतिमाह करने की बात है। युवाओं के लिए ब्लॉक स्तर पर स्टेडियम व बहुउद्देश्यीय हॉल बनाए जाने की घोषणा है। कन्या सुमंगला योजना पर भी 15000 करोड़ आवंटित किया गया है। 7.36 लाख करोड़ के बजट में 24.86 हजार करोड़ की नयी योजनाएं है। धार्मिक स्थलों पर पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार 5000 करोड़ खर्च करेगी। सकल राज्य घरेलू उत्पाद के स्तर पर उत्तर

प्रदेश देश की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। अगले वित्तीय वर्ष में 5.1 प्रतिशत की दर से विकास का लक्ष्य रखा गया है। युवाओं के सशक्तिकरण पर सरकार और ध्यान दे सकती थी। चुनावी वर्ष में किसानों पर सरकार का विशेष ध्यान है।

वेलफेयर क्लब के मंच पर प्रतिभागियों ने दिखाया हूनर का जादू

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वेलफेयर क्लब द्वारा आयोजित 27वे शास्त्रीय एवं लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन शहर के रामदूत इंटरनेशनल स्कूल के सभागार में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राम नगीना सिंह यादव जिला समाज कल्याण अधिकारी तथा विशिष्ट अतिथि डा0 राज कुमार चौंबे रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में बच्चों के एक से बढ़कर एक प्रस्तुति को देखकर बच्चों के तैयारी के लिए उनके अभिभावकों को श्रेय दिया साथ ही नए भारत के निर्माण में भी अभिभावकों को ऐसी ही तैयारी कराने पर जोर दिया। जनपद भर के सूदूर क्षेत्रों से आए हुए प्रतिभागियों को शुभकामना देते हुए बच्चो के बहुमुखी विकास के लिए क्लब के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि क्लब के सामाजिक कार्यों में जहां

भी मेरी आवश्यकता लगे मै कंधा से कंधा मिलाकर चलने को सदैव तत्पर रहूंगा। इस प्रतियोगिता में जनपद भर के 67 स्कूलों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन चार वर्गों में किया गया जिसमें जूनियर एकल, सीनियर एकल, युगल नृत्य तथा समूह नृत्य रहा। इस कार्यक्रम का आकर्षण मुख्य रूप से भक्ति गीत, देशभक्ति गीत रहे, जिस पर बच्चों के नृत्य की प्रस्तुति ने लोगों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में जौनपुर से अग्रिका शुक्ला, बलिया से अभिमन्यु प्रकाश तथा प्रिंसेज बक स्ट्रेंजर मानसी वर्मा रही। जिनके अनुसार जूनियर एकल में लिरिक्स अकेडमी की अविका सिंह प्रथम, सेंट जॉन्स स्कूल से अनन्या यादव द्वितीय, आरजेपी सैदपुर से शांभवी जायसवाल तथा एडुरेंन गलोबल स्कूल संयुक्त रूप से तृतीय जबकि एसएस पब्लिक स्कूल लावा से ज्योति सिंह, एडुरेंन गलोबल स्कूल से मीनाक्षी सिन्हा तथा श्रृष्टि सिंह सांत्वना पुरस्कार के लिए चुने गए। सीनियर एकल में पीजी कॉलेज से मो0 शमीम तथा सेंट मेरिज कान्वेंट स्कूल से पीहू जायसवाल संयुक्त रूप से प्रथम, सेंट जॉन्स स्कूल से आयुषी तथा गणेशा डांस एकेडमी से ज्योति कुमारी संयुक्त रूप से द्वितीय, आर्दश बौद्ध इण्टर कालेज से शुभम कुमार तृतीय जबकि डालिम्स सनबीम स्कूल से संजना सिंह कुशवाहा तथा आरजेपी सैदपुर से पायल मद्धेशिया सांत्वना के लिए चुने गए। युगल नृत्य में डी ड्रीम्स डांस क्लासेज से सोनम प्रजापतिझ दिव्य सागर प्रथम, सेंट मेरिज कान्वेंट से आकृति झ अनुष्का द्वितीय तथा आदर्श बौद्ध इण्टर कालेज से रितेश साहनी झ शुभम कुमार तृतीय स्थान पर रहे जबकि सेंट मेरिज कान्वेंट स्कूल से रितिका गिरीझ आरवी मौर्या सांत्वना पर रहे। इसी प्रकार समूह नृत्य में डी ड्रीम्स डांस क्लासेज से शिवम कुमार प्रथम, गणेशा डांस एकेडमी से ज्योति कुमारी द्वितीय, रामदूत इंटरनेशनल स्कूल से कृतिका सिंह तथा वैष्णवी पांडेय तृतीय। जबकि रामदूत इंटरनेशनल स्कूल से श्रेया वर्मा, डिवाइन हर्ट पब्लिक स्कूल से श्रेया यादव का समूह सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। मुख्य अतिथि तथा निर्णायक मंडल सदस्यों का स्वागत तथा स्मृति चिन्ह भेंट क्लब के उपाध्यक्ष धीरेन्द्र त्रिपाठी, संयुक्त सचिव रामनाथ कुशवाहा, पीआरओ सूर्य रेख मणि ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सत्यदेव दुबे तथा पवन कुमार पांडेय ने किया।इस अवसर पर ओजस कोचिंग के छात्रों के साथ भूपेन्द्र त्रिपाठी, सत्य प्रकाश तिवारी, अजय यादव, राम कुमार विश्वकर्मा, संजय वर्मा, आदि मौजूद रहे। क्लब अध्यक्ष डा0 शरद कुमार वर्मा ने सभी के प्रति अभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की जिला कमेटी गठित

प्रखर संतकबीरनगर। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन जिला इकाई संत कबीर नगर की कमेटी का ऐलान कर दिया गया नवगठित कमेटी में उपाध्यक्ष महामंत्री व मंत्री पद पर चार-चार लोगों को मनोनीत किया गया है जबकि प्रचार मंत्री ऑडिटर कोषाध्यक्ष व संगठन मंत्री के पद पर भी मनोनयन हुआ है। नवगठित कमेटी में 6 सदस्यों को जिला कार्यकारी का सदस्य नामित किया गया है जिला अध्यक्ष सौरभ कुमार त्रिपाठी द्वारा जारी की गई जिला कमेटी में उपाध्यक्ष पद पर अकरम खान अतुल सिंह गोरखनाथ मिश्रा व रामविलास प्रजापति को नामित किया गया है इसी प्रकार महामंत्री पद पर तारेस सिंह आफताब आलम सरफराज अहमद व रविंद्र दाहिवाल को जिम्मेदारी मिली है। जिला कमेटी में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन मंत्री पद पर बनारसी चौधरी मनव्वर हुसैन जगदीश पांडेय व अयाज अहमद को मनोनीत किया गया है। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संगठन मंत्री पद पर अलोक बरनवाल प्रचार मंत्री पद पर रमेश दुबे कोषाध्यक्ष पद पर पूरन सिंह ऑडिटर पद पर सुभाष मणि त्रिपाठी को नामित किया गया नवगठित कमेटी में हरिहर प्रसाद मिश्रा अकबर अली सतीष चंद्र मिश्रा रवि प्रजापति अंगद पाठक सचिन जायसवाल अशोक कुमार को कार्यकारणी का सदस्य नामित किया गया है।

भांवरकोल पुलिस ने किया गोवध अधिनियम का वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर द्वारा अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन में व क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के निकट पर्यवेक्षण में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 180/23 धारा 3/5ए/5बी/8 गोवध निवारण अधिनियम, 429 भादवि मे वांछित अभियुक्त मोनू साहू पुत्र भगवत साहू निवासी तिलक वार्ड गढ़ाकोटा थाना गढ़ाकोटा जनपद सागर मध्य प्रदेश जो अपने पिता के साथ उपस्थित थाना आया, जिसे पुलिस अभिरक्षा में लेकर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक देवी शंकर यादव थाना भांवरकोल, हे0मु0 अतुल सिंह थाना भांवरकोल जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

इस बार भी बजट में नहीं मिला विश्वविद्यालय : दीपक उपाध्याय

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत आज यूपी बजट 2024-25 पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष दीपक उपाध्याय ने कहा कि सरकार द्वारा प्रस्तुत यह बजट भी गाजीपुर के छात्रों के लिए निराशा भरा है इस बजट में भी गाजीपुर के लिए विश्वविद्यालय नहीं दिया गया है, छात्रों को आश थी कि इस बार के बजट में गाजीपुर को एक विश्वविद्यालय मिलेगा। जबकि केन्द्र सरकार के ओर से जारी समाजिक सूचकांक प्रगति रिपोर्ट सर्वे में उच्च शिक्षा प्राप्त करने में गाजीपुर प्रदेश में अव्वल स्थान पर है, परन्तु एक भी विश्वविद्यालय नहीं होने से छात्रों में निराशा व्याप्त है।

8 फरवरी को स्व. अमलधारी यादव के घर जायेंगे पूर्व मंत्री गोविन्द चौधरी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव जी के निदेर्शानुसार पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल दिनांक 8 फरवरी कोपुर्व कैबिनेट मंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष रहे माननीय राम गोविंद चौधरी जी के नेतृत्व में सदर विधान सभा अन्तर्गत अतरसुआ गांव सपा नेता स्व.अमलधारी यादव के घर जायेंगे जिनकी अपराधियों द्वारा विगत दिनों हत्या कर दी गयी थी। प्रतिनिधिमंडल घटना के सही तथ्यों की जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ शोक संन्तप्त परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करेगा।समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव ने इस बात की जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतिनिधिमंडल में उनके साथ साथ जिलाध्यक्ष गोपाल यादव, राष्ट्रीय सचिव राजेश कुशवाहा, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष काशीनाथ यादव, पुर्व विधान परिषद सदस्य रामवृक्ष यादव, विधान सभा अध्यक्ष तहसीन अहमद भी शामिल होंगे।

श्याम प्रभु की सजी मोहिनी मूरतः श्याम मंदिर में उतरी खाटू धाम की छवि

वाराणसी। श्री श्याम मंडल ट्रस्ट व श्याम मंडल द्वारा लक्सा स्थित श्याम मंदिर में रविवार को श्याम मंदिर स्थापना दिवस महोत्सव के अवसर पर श्याम प्रभु की मोहिनी मूरत पर सभी मुग्ध रहे। मंदिर में श्याम प्रभु की भव्य अलौकिक झांकी सजायी गई थी। मंदिर में खाटू धाम की छवि का भक्तों को अहसास हो रहा था। ऐसा लग रहा था मानों राजस्थान की संस्कृति उतर आयी हो। इस अवसर पर वृंदावन व कोलकाता से आये कुशल कारीगरों ने फूल बंगला का श्रृंगार किया था जो अपने आप में अ?द्भुत था।भजनों में किस्मत वालों को मिलता है, श्याम तेरादरबार, कान्हा रे कान्हा कब आयेगा मेरा सांवरिया, जिसके सिर पर हो बाबा का हाथ, मोरी छड़ी लहरायी रे आदि रहा। भजनों की प्रस्तुति गायक दिल्ली के नजफगढ़ के छोटा खाटू धाम से पधारे आनंद शर्मा के सानिध्य में गायक बंटू भैया व स्थानीय कलाकारों में , संदीप शर्मा कानू, राजेश तुलस्यान, अनूप सराफ, भगवती शर्मा, सुशील गाडोदिया,दीपक तोदी पंकज तोदी, पारीख,अशोक कानोड़िया व प्रवीण माखरिया , संदीप दुबे,रहे। भजनों पर सभी झूमते व नाचते रहे। रात्रि में श्याम प्रभु की आरती मंदिर के पुजारी संजय पुजारी ने उतारी। तत्पश्चात प्रभु को 56 प्रकार का भोग लगा, भक्तों में वितरण हुआ। श्री श्याम मंडल ट्रस्ट केअध्यक्ष मंदन मोहन पोद्दार मंत्री राजेश तुलस्यान ने महोत्सव में आए सभी भक्तों का स्वागत किया। इस अवसर पर श्याम मंडल के अध्यक्ष दीपक बजाज, अजय खेमका प्रचार मंत्रीसुरेश तुलस्यान, राकेश कुमार अग्रवाल पवन कुमार अग्रवाल, संदीप चांडक आदि लोग मौजूद थे।

रोहित यादव ने 55 किलोग्राम भार वर्ग में ग्रीको रोमन स्टाइल में प्राप्त किया कांस्य पदक

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल में उप मुख्य टिकट निरीक्षक के पद पर कार्यरत रोहित यादव ने राजस्थान के जयपुर में 02 फरवरी से 05 फरवरी,2024 तक सीनियर नेशनल कुश्ती चैम्पियनशिप (फ्री स्टाइल एवं ग्रीको रोमन) प्रतियोगिता में वाराणसी मंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए 55 किलोग्राम भार वर्ग में ग्रीको रोमन स्टाइल में कांस्य पदक प्राप्त किया । इस प्रतियोगिता में रेलवे विभिन्न जोनों के पहलवानों को धूल चटाने के बाद आर्मी के पहलवान के साथ रोचक मुकाबले में तीसरा स्थान हासिल कर काँस्य पदक जीता। रोहित यादव की इस उपलब्धी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मंडल रेल प्रबंधक श्री विनीत कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दी । इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी एवं क्रीड़ा अधिकारी श्री समीर पॉल एवं अन्य मंडलीय अधिकारियों ने भी बधाई दी है।

एक्सीडेंट या कॉन्सपिरेसी : गोधरा का मचअवेटेड टीजर रिलीज...

मुंबई। अब 2002 में गुजरात में हुए दंगों की कहानी पर्दे पर आने वाली है। फिल्म एक्सीडेंट या कॉन्सपिरेसी: गोधरा का मचअवेटेड टीजर रिलीज हो चुका है। ये मूवी 22 साल पहले घटित हुई कभी नहीं भूलने वाली एक दर्दनाक घटना से पर्दा उठाएगी। गोधरा कांड, एक ऐसी भयानक घटना है, जिसका दर्द और रोष गुजरात के साथ पूरा देश में आज भी महसूस करता है।

सनोज मिश्रा निर्देशित 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' का ट्रेलर जारी

मुंबई। सनोज मिश्रा निर्देशित फिल्म द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया। फ़िल्मि पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की स्थिति और वहां पर हो रहे अत्याचारों को इंगित करते हुए बनाई गई है। फिल्म के कलाकारों में अर्शि मेहता, यजुर मारवाह, दीपक कंबोज, अल्फिया शेख, गरिमा कपूर, रीना भट्टाचार्य, गौरीशंकर, देव फौजदार, अनिल अंजुनिल, संजू सोलंकी, डॉ. रामेंद्र चक्रवर्ती आदि शामिल हैं।

यामी की 'आर्टिकल 370' का पहला गाना 'दुआ' आउट...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम की आने वाली फ़िल्म आर्टिकल 370 का पहला गाना 'दुआ ' रिलीज़ हो गया है। गाना 'दुआ' को ज़ुबिन नौटियाल और शाश्वत सचदेव ने स्वरबद्ध किया है। शाश्वत ने ही गाने का म्यूज़िक भी तैयार किया है। गाने के बोल कुमार ने लिखे हैं, जबकि फ़्रीमेल वॉइस प्रियांशी नायडू ने दी है। यामी गौतम ने कहा,जब मैंने पहली बार गाना सुना तो मैं बेहद भावुक हो गई थी।

9 को ओटीटी पर स्ट्रीम होगी गुंटूर कारम....

मुंबई। साउथ सुपरस्टार महेश बाबू ने 'गुंटूर कारम' से दर्शकों का दिल जीत लिया था। त्रिविक्रम श्रीनिवास के निर्देशन में बनी एक्शन से भरपूर फिल्म 'गुंटूर कारम' सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद अब ओटीटी पर दस्तक देने के लिए तैयार है। अब आधिकारिक तौर पर फिल्म के ओटीटी प्रीमियर की घोषणा हो चुकी है। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। नेटफ्लिक्स इंडिया ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए इसके ओटीटी प्रीमियर की घोषणा की। नेटफ्लिक्स ने कैप्शन में लिखा- यहां बहुत गर्मी होने वाली है, क्योंकि राउडी रमना यहां है।

हॉलीवुड मसाला

डिनर डेट पर निकलीं किम

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड एक्ट्रेस किम कार्दिशियन पिछले साल पति कान्ये वेस्ट संग तलाक को लेकर खूब सुर्खियों में आई थी। एक दूजे से कानूनी तौर पर अपनी राहें अलग कर किम और कान्ये अब अपने तरीके से जिंदगी जी रहे हैं। इसी बीच किम और कान्ये को डिनर डेट पर स्पॉट किया गया। इस दौरान किम का बोल्ड लुक देखने को मिला। लुक की बात करें तो किम कार्दिशियन ब्लैक ट्यूब टॉप, फर वाली जैकिंग और जैकेट में बोल्ड दिखीं।

लाइफ Style

अदा

निभाएंगी डरावनी बार डांसर का किरदार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

'द केरल स्टोरी' से टॉप एक्ट्रेस बनी अदा शर्मा एक सुपरहिट वेब सीरीज में नजर आएंगी। यह साल 2022 में क्राइम कॉमेडी सीरीज सनफ्लॉवर का दूसरा सीजन होगा। इस सीरीज में अदा एक डरावनी बार डांसर के किरदार में दिखेगी।

अदा ने खुद अपने किरदार के बारे में बात की। पहले सीजन में सुनील ग्रोवर मुख्य भूमिका में थे जबकि उनके साथ आशीष विद्यार्थी, रणवीर शौरी, मुकुल चड्ढा और गिरीश कुलकर्णी भी प्रमुख भूमिका में रहे। इसके दूसरे सीजन में यही कलाकार रहने वाले हैं। अदा शर्मा 'सनफ्लॉवर 2' में रोजी नाम की बार डांसर का किरदार निभाते हुए नजर आएंगी। अदा ने अपने किरदार के बारे में कहा, मुझे नहीं पता कि मुझे अभी तक अपने किरदार के प्रोफेशन के बारे में कुछ भी बताने की अनुमति है या नहीं। यह रहस्य को दूर कर सकता है। लेकिन, मैं एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हूं, जो शैतान है, फिर भी प्यारी है, वह डरावनी भी है। भूमिका की तैयारी के लिए मैंने सीरियल किलर और मनोरोगियों पर बहुत सारी डॉक्यूमेंट्रीज भी देखें। अदा ने कहा, यह भूमिका निश्चित रूप से शालिनी से बहुत अलग होगी। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि फैंस मुझे अलग-अलग किरदार में देख रहे हैं। एक एक्ट्रेस के रूप में मैंने 'रोजी' का किरदार पढ़ा और मैं बहुत एक्साइटेड थी कि विकास बहल और चैताली ने एक ऐसी लड़की के लिए किरदार लिखा है, जो अजीब, डरावनी और बुरी है।

ऑस्टिन ने किया अपने पहले क्रश का खुलासा

लॉस एंजेलिस। फिल्म 'एल्विस' में एल्विस प्रेस्ली की भूमिका निभाने वाले अभिनेता ऑस्टिन बटलर ने अपने पहले क्रश के बारे में बताया है। रिपोर्ट के अनुसार अभिनेता ने कहा कि उनका पहला क्रश डेनिएल फिशेल का किरदार टोपंगा लॉरेंस था। 'द ड्रयू बैरीमोर शो' पर बोलते हुए उन्होंने कहा, मैं उस शो 'बॉय मीट्स वर्ल्ड' के टोपंगा की तरह सोचता हूं। अभिनेता के साथ उनके मास्टर्स ऑफ द एयर के सह-कलाकार कैलम टर्नर भी शामिल थे, जो पॉप स्टार ढुआ लीपा को डेट कर रहे हैं और उन दोनों ने कहा कि एक महिला के दिल का रास्ता प्रेम पत्र लिखना है। ऑस्टिन ने कहा, मैं प्रेम पत्र, छोटे नोट्स लिखने के बारे में सोचता हूं।

शेयर किया आई एम बॉसी का वीडियो...

मुंबई। अपने म्यूजिक वीडियो 'आई एम बॉसी' को लेकर एक्ट्रेस नोरा फतेही चर्चाओं में हैं। नोरा ने इंस्टाग्राम पर म्यूजिक वीडियो के लिए अपने बाल और मेकअप कराते हुए बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो शेयर किया। वीडियो में बैकग्राउंड में उनका गाना बज रहा है। कैप्शन में उन्होंने लिखा, आप मुझे रोक नहीं सकते। ट्रैक का ऑडियो फॉर्मेट दिसंबर में जारी किया गया था और म्यूजिक वीडियो एक सप्ताह पहले रिलीज किया गया। इसमें नोरा एनर्जी से भरपूर डांस कर रही हैं। इस सॉन्ग को इंटरनेशनल कोरियोग्राफर जोजो गोमेज ने कोरियोग्राफ किया है, जो पहले बेयॉंसे, ब्रिटनी स्पीयर्स, जस्टिन बीबर, डेमी लोवाटो, जे. बल्विन और बैकस्ट्रीट बॉयज के साथ सहयोग कर चुके हैं। एक्टिंग फ्रंट की बात करें तो नोरा विद्युत जामवाल स्टारर फिल्म क्रैक- जीतेगा तो जिएगा! में नजर आएंगी। इसमें अर्जुन रामपाल और एमी जैक्सन भी हैं। यह फिल्म 23 फरवरी को रिलीज होने वाली है।

अगस्त में शुरू होगी डॉन-3 की शूटिंग

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म डॉन 3 की शूटिंग अगस्त में शुरू हो सकती है। बॉलीवुड फिल्मकार फरहान अख्तर ने वर्ष 2023 में डॉन की तीसरी किस्त की अनाउंसमेंट की थी। साथ ही साथ फरहान अख्तर ने नए डॉन के चेहरे की झलक भी दिखाई थी। फिल्म डॉन 3 में रणवीर सिंह लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म 'डॉन 3' को लेकर एक नया अपडेट सामने आ रहा है। कहा जा रहा है कि फिल्म 'डॉन 3' का प्री-प्रोडक्शन अगले महीने मार्च से शुरू होने वाला है।'डॉन 3' फिलहाल कास्टिंग स्टेज पर है। वहीं 'डॉन 3' का शूटिंग शेड्यूल इस साल अगस्त महीने से शुरू होगा। इससे पूर्व डॉन फ्रेंचाइजी की दोनों फिल्मों में शाहरूख खान ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

भूल जाना और खुद को आगे बढ़ाना जरूरी है

मुंबई। एक्ट्रेस सारा अली खान ने खुद के साथ समय बिताने के लिए समय निकाला और ज्ञान की कुछ बातें साझा करते हुए कहा कि भूल जाना और खुद को आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण है। सारा ने अपने इंस्टाग्राम पर सनसेट को देखते हुए कई तस्वीरें साझा की। उन्होंने तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन दिया, कभी-कभी हम सभी बातचीत करते हुए खूबसूरत पल बिताते हैं। अपने आप को यह याद दिलाने के लिए सनसेट देखना ज़रूरी है कि समय किसी का इंतजार नहीं करता और आप मुट्ठी में रेत को पकड़कर नहीं बैठ सकते। उन्होंने कहा, तो भूलने और खुद को आगे बढ़ाने का प्रयास करें। वर्कफ्रंट की बात करें तो सारा कई प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी। उनके पास 'ऐ वतन...मेरे वतन', 'मेट्रो...इन दिनों' और 'मर्डर मुबारक' हैं।

1949 में आई थी बॉलीवुड की पहली हॉरर फिल्म महल, रहस्यमयी मूवी को देख कांप गए थे दर्शक

मुंबई। हॉरर फिल्में देखने से अक्सर दर्शकों के मन में डर पैदा हो जाता है। बॉलीवुड में 70 और 80 के दशक में वीराना से लेकर बंद दरवाजा जैसी फिल्मों ने लोगों को खूब डराया है। हॉरर फिल्मों का दौर कभी खत्म नहीं हुआ और आज भी हिंदी सिनेमा में 1920, रागिनी एमएमएस, राज और परी जैसी कई हॉरर फिल्में बन चुकी हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बॉलीवुड में हॉरर फिल्मों का क्रेज कोई नई बात नहीं है। हिंदी सिनेमा में हॉरर फिल्मों का चलन 70 और 80 के दशक से बहुत पहले ही शुरू हो गया था।

मधुबाला ने निभाई थी यादगार भूमिका

क्या आप जानते हैं कि बॉलीवुड में पहली हॉरर फिल्म कब रिलीज हुई थी, अगर नहीं तो आइए हम आपको बताते हैं कि हिंदी भाषा में बनी पहली हॉरर फिल्म कौन सी थी, किस डायरेक्टर ने हॉरर फिल्मों का क्रेज बॉलीवुड में लाया था। बॉलीवुड में हॉरर फिल्में बनाने का दौर 40 के दशक में शुरू हुआ था। फिल्म 'महल' 1949 में रिलीज हुई थी, जिसमें अशोक कुमार और मधुबाला ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म के निर्देशन की कमान हिंदी सिनेमा के दिग्गज निर्देशक-निर्माता कमाल अमरोही ने संभाली। 40 के दशक में रिलीज हुई इस फिल्म की कहानी अशोक कुमार के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक बहुत पुरानी हवेली में रहता है और उसकी मुलाकात एक रहस्यमय महिला (मधुबाला) से होती है, जो खुद को उसकी पिछले जन्म की प्रेमिका बताती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हॉरर फिल्म को 40 के दशक में दर्शकों ने खूब सराहा था और इस फिल्म ने उस वक्त बॉक्स ऑफिस पर 1.45 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था।

1972 में आई थी रामसे ब्रदर्स की डरावनी फिल्म

30 दिसंबर 1972 को एक ऐसी फिल्म रिलीज हुई, जिसने लोगों के रोंगटे खड़े कर दिए। ये फिल्म थी रामसे ब्रदर्स की 'दो गज जमीन के नीचे', जिसमें एक्टर सुरेंद्र कुमार ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म का निर्देशन तुलसी रामसे ने किया था। इस फिल्म में सत्येन कप्पू से लेकर धूमल और हेलेन और इम्तियाज खान तक कई सितारों ने मुख्य भूमिका निभाई थी। रामसे ब्रदर्स की ये फिल्म काफी डरावनी थी। रामसे ब्रदर्स हिंदी सिनेमा में हॉरर फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 70 से 90 के दशक में वीरा, दरवाजा, अंधेरा, और कौन और बंद दरवाजा जैसी हॉरर फिल्में दीं। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि हिंदी फिल्मों में हॉरर फिल्मों का दौर लाने वाले डायरेक्टर-प्रोड्यूसर रामसे ब्रदर्स नहीं, बल्कि कमाल अमरोही थे, जिन्होंने पहली हिंदी हॉरर फिल्म का निर्देशन किया था और बॉलीवुड को दूसरे जॉनर की ओर ले गए थे।

संक्षिप्त खबरें

अंतरिम बजट की सराहना

नई दिल्ली। सीमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने अंतरिम बजट 2024-25 का स्वागत किया। है। सीमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीएमए) के अध्यक्ष एवं श्री सीमेंट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, नीरज अखौरी ने कहा, 'सीएमए रेलवे के तहत सीमेंट कॉरिडोर की घोषणा का स्वागत करता है जो कि लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार करने और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने में मदद प्रदान करेगा। इस अवसर पर सीएमए के उपाध्यक्ष एवं जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, पार्थ जिंदल ने कहा,'घोषित बजट के मूल में गति, नवाचार और वे सभी पैमाने मौजूद हैं, जो कि वास्तव में भारत के आर्थिक विकास के इंजन को चला रहे हैं।

रोजगार सृजन वाला बजट

नई दिल्ली। नेशनल स्टाक एक्सचेंज के एमडी एवं सीईओ आशीष कुमार चाहौन ने कहा कि मैं अंतरिम बजट को 10 में से 10 नंबर देता हूं। यह बजट नीतियों और कराधान पर निरंतरता सुनिश्चित करते हुए विकास, कल्याणवाद और राजकोषीय संयम पर केंद्रित है। इन्फ्रास्ट्रक्चर पर अधिक खर्च के माध्यम से क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना और परिणामस्वरूप रोजगार सृजन को सुविधाजनक बनाने की कोशिश जारी रखी गई है। साथ ही, बजट गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए पर्याप्त प्रावधान करता है, जो समग्र आर्थिक विकास के लिए अच्छा संकेत है।

आईपीओ कल खुलेगा

नई दिल्ली। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड बुधवार 7 फरवरी, 2024 को ₹10 अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए बोलियां खोलेगा। एंकर निवेशक बोली की तारीख मंगलवार, 6 फरवरी, 2024 होगी। ऑफर सदस्यता के लिए बुधवार, 7 फरवरी, 2024 को खुलेगा और शुक्रवार, 9 फरवरी, 2024 को बंद होगा। ऑफर का प्राइस बैंड ₹393 से ₹414 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। बोली न्यूनतम 36 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 36 इक्विटी शेयरों के गुणकों में लगाई जा सकती है। इक्विटी शेयरों की पेशकश 1 फरवरी, 2024 के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस ('आरएचपी') के माध्यम से की जा रही है, जो बेंगलुरु में कंपनी रजिस्ट्रार, कर्नाटक के पास दायर किया गया है।

बैंक आफ महाराष्ट्र की जमा वृद्धि दर सबसे अच्छी रही

■ सिर्फ दो बैंकों ने दोहरे अंक में हासिल की जमा वृद्धि दर ■ दस बैंकों की जमा वृद्धि दर 10 फीसद से कम दर्ज हुई

नई दिल्ली (भाषा)।

बैंक आफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी (अक्टूबर-दिसम्बर) तिमाही में जमा के मामले में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सबसे ऊंची वृद्धि दर्ज की है। बीओएम ने यह आंकड़ा ऐसे समय हासिल किया है कि जबकि ज्यादातर सरकारी बैंकों की जमा वृद्धि 10 प्रतिशत से कम रही है।

आंकड़ों के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों में से केवल बीओएम और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने दिसम्बर, 2023 को समाप्त तीसरी तिमाही में जमा में दो अंक की वृद्धि हासिल की है।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रकाशित तिमाही आंकड़ों के अनुसार, पुणे के ऋणदाता बीओएम ने तिमाही के दौरान जमा में 17.89 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जिसके बाद एसबीआई ने 12.84 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। हालांकि, स्टेट बैंक की कुल जमा राशि बीओएम के कुल रकम करीब

245734 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 18.5 गुना यानी 4567927 करोड़ रुपये थी।

सेंट्रल बैंक आफ इंडिया जमा में 9.53 प्रतिशत की वृद्धि के साथ तीसरे स्थान पर रहा, जबकि पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने 9.10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

कम लागत वाली चालू खाता बचत खाता (कासा) जमाओं के मामले में बीओएम 50.19 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर रहा। इसके बाद उसके बाद सेंट्रल बैंक आफ इंडिया 48.98 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

कासा का उच्च स्तर बैंकों को अपने कोष की लागत कम रखने में मदद करता है। संपत्ति की गुणवत्ता के मामले में 31 दिसम्बर, 2023 तक बीओएम की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) सबसे कम 2.04 प्रतिशत रहीं।

एसबीआई 2.42 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहा। शुद्ध एनपीए के मामले में भी बीओएम का आंकड़ा 0.22 प्रतिशत के साथ सबसे अच्छा रहा। इसके बाद 0.53 प्रतिशत के साथ इंडियन बैंक का स्थान रहा।

17.89 फीसद की वृद्धि दर बैंक आफ महाराष्ट्र की रही

12.45 फीसद की जमा वृद्धि दर स्टेट बैंक की रही

09.53 प्रतिशत की जमा वृद्धि सेंट्रल बैंक ने दर्ज की

09.10 प्रतिशत की जमा वृद्धि दर पीएनबी की रही

जर्मन टॉय फेयर में भारतीय कंपनियों को बड़े आर्डर

नई दिल्ली (भाषा)।

जर्मनी के न्यूरमबर्ग में पांच दिन के अंतरराष्ट्रीय खिलौना मेले में भाग लेने वाले भारतीय खिलौना विनिर्माताओं को करोड़ों रुपये के आर्डर मिले हैं।

खिलौना निर्यातकों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि भारतीय विनिर्माताओं ने मेले में उच्च गुणवत्ता का प्रदर्शन किया। जर्मनी जैसे देशों के खरीदारों ने उनके उत्पादों में रुचि दिखाई और अच्छी संख्या में आर्डर दिए। न्यूरमबर्ग अंतरराष्ट्रीय खिलौना मेला तीन फरवरी को संपन्न हुआ।

दुनिया के सबसे बड़े खिलौना मेलों में शामिल इस आयोजन में 65 से अधिक देशों के 2,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। ग्रेटर नोएडा स्थित लिटिल जीनियस टॉयज प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नरेश कुमार गौतम ने कहा, 'हमारे उत्पादों को भारी सराहना मिली।

मुंद्रा में दुनिया का सबसे बड़ा तांबा संयंत्र बना रहा अडाणी समूह

नई दिल्ली (भाषा)।

अरबपति कारोबारी गौतम अडाणी की अगुवाई वाला समूह गुजरात के मुंद्रा में दुनिया का सबसे बड़ा एकल-स्थान तांबा विनिर्माण संयंत्र बना रहा है। सूत्रों ने कहा कि इस संयंत्र से आयात पर भारत की निर्भरता को कम करने और ऊर्जा बदलाव में मदद मिलेगी।

मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने बताया कि 1.2 अरब अमेरिकी डालर के निवेश से तैयार हो रहा यह संयंत्र मार्च के अंत तक पहले चरण का परिचालन शुरू कर देगा। उन्होंने बताया कि संयंत्र मार्च, 2029 तक पूर्ण पैमाने पर 10 लाख टन क्षमता के साथ परिचालन शुरू करेगा।

चीन और अन्य देशों की तरह भारत भी तांबे का उत्पादन तेजी से बढ़ा रहा है, जो जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण धातु है। ऊर्जा बदलाव के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों जैसे इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), चार्जिंग अवसंरचना, सौर फोटोवोल्टिक (पीवी), पवन ऊर्जा और बैटरी सभी में तांबे की जरूरत होती है।

अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की अनुषंगी कंपनी कच्छ कॉपर लिमिटेड (केसीएल) दो चरण में 10 लाख टन सालाना क्षमता वाली तांबा रिफाइनरी परियोजना स्थापित कर रही है। पहले चरण में पांच लाख टन प्रति वर्ष की क्षमता शुरू की जाएगी। इसके लिए केसीएल ने जून, 2022 में वित्तपोषण हासिल किया था।

सूत्रों में से एक ने कहा, 'अडाणी समूह संसाधन कारोबार, लॉजिस्टिक, नवीकरणीय ऊर्जा और बुनियादी ढांचे में अपनी मजबूत स्थिति का लाभ उठाकर तांबे के कारोबार में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनना चाहता है।' उन्होंने कहा कि भारत में प्रति व्यक्ति तांबे की खपत लगभग 600 ग्राम है, जबकि वैश्विक औसत 3.2 किलोग्राम है।

पीएलआई योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के तरीकों पर चर्चा

नई दिल्ली (भाषा)।

वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और उद्योग के खिलाड़ियों ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सहयोग बढ़ाने और एक स्पष्ट कार्रवाई योजना बनाने के तरीकों पर चर्चा की है। रविवार को जारी आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा कि 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजना के तहत लाभार्थी कंपनियों सहित लगभग 1,200 प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने इन योजनाओं के प्रभावी और निर्बाध क्रियान्वयन के लिए रणनीति पर चर्चा करने और योजना बनाने के लिए तीन फरवरी को बैठक की। इस बैठक में नीति आयोग, इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, भारी उद्योग, नवीकरणीय ऊर्जा और फार्मास्युटिकल्स सहित विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

उद्घाटन सत्र के बाद सभी 14 क्षेत्रों को शामिल करते हुए दो परिचर्चा सत्र आयोजित किए गए, जिसका उद्देश्य सरकार और उद्योग के बीच सहयोग के क्षेत्रों की पहचान करना और पीएलआई योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए एक स्पष्ट कार्रवाई योजना बनाना था। बैठक को संबोधित करते हुए वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने योजनाओं की नीतियों, प्रक्रियाओं और दक्षता को आकार देने के लिए उद्योग की रचनात्मक प्रतिक्रिया और सहयोगात्मक भागीदारी को प्रोत्साहित किया।

आयकर विभाग में 12,000 पदों पर भर्तियों की तैयारी

■ विभाग के चेयरमैन नितिन गुप्ता ने कहा, नियुक्तियों के लिए उठाए जा रहे कदम

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन नितिन गुप्ता ने कहा है कि आयकर विभाग में 10,000 से 12,000 तक कर्मचारियों की कमी है और खाली पड़े पदों पर नियुक्ति के लिए कदम उठाये जा रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि अंतरिम बजट में 25,000 रुपये तक की बकाया कर मांग को वापस लेने की घोषणा के तहत करदाताओं को एक लाख रुपये तक की राहत मिल सकती है। इससे उन करदाताओं को लाभ होगा होगा, जिन्हें निर्धारित अवधि में एक साल से अधिक के लिए कर मांग को लेकर नोटिस मिले हैं। गुप्ता ने एक विशेष बातचीत में कहा, 'आयकर विभाग में 10,000 से 12,000 कर्मचारियों की कमी है। ये पद मुख्य रूप से ग्रुप 'सी' श्रेणी के हैं। इन पदों को भरने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।' विभाग में कर्मचारियों की कुल संख्या 55,000 के करीब है।

अंतरिम बजट में 25,000 रुपये तक की कर मांग को वापस लेने के बारे में पूछे जाने पर गुप्ता ने कहा, 'इस पहल का मकसद करदाताओं को राहत देना है। इसके तहत हम प्रति करदाता एक लाख रुपये तक की सीमा रखने का प्रयास करेंगे। यानी करदाता को अगर एक साल से अधिक के लिए कर मांग को लेकर नोटिस मिला है, तो उसे एक लाख रुपये तक की राहत मिल सकती है।'

■ बकाया कर माफी योजना से मिलेगी एक लाख रुपये तक की राहत
■ बकाया कर से जुड़ी करीब 1.11 करोड़ मांगे हैं

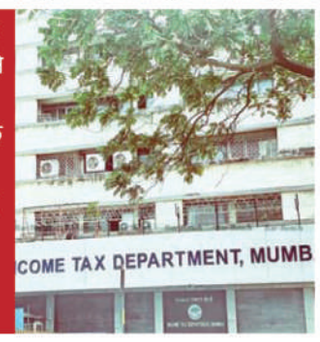

सीबीडीटी प्रमुख ने कहा, 'ऐसी लगभग 1.11 करोड़ विवादित मांगें हैं और इसमें शामिल कुल कर मांग 3,500-3,600 करोड़ रुपये है। इस कदम से लगभग 80 लाख करदाताओं को लाभ होगा।' उन्होंने कहा, 'हम इस बारे में जरूरी आदेश जारी करेंगे, करदाताओं को कुछ करने की जरूरत नहीं है।' प्रत्यक्ष कर (आयकर और कंपनी कर) संग्रह के बारे में उन्होंने कहा कि 31 जनवरी तक रिफंड वापसी के बाद 14.46 लाख करोड़ रुपये आए हैं, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 20 प्रतिशत ज्यादा है। और अगर रिटर्न की बात की जाए तो कुल मिलाकर 8.5 रिटर्न दाखिल किए गए हैं, जिसमें से लगभग 8.2 करोड़ वित्त वर्ष 2023-24 के लिए है।

गुप्ता ने कहा कि तकनीक के बढ़ते उपयोग, अपील, आकलन, जुर्माने की 'फेसलेस' व्यवस्था से कर संग्रह बढ़ा है। 'फेसलेस' उपायों से करदाताओं और अधिकारियों के बीच प्रत्यक्ष बातचीत खत्म हो गई है और इससे भरोसा भी बढ़ा है। रिफंड में अब भी लोगों को होने वाली परेशानी के बारे में सीबीडीटी प्रमुख ने कहा, 'रिफंड फंसने के कई कारण हैं। जहां आयकर रिटर्न के ब्योरे में आंकड़ों में विसंगतियां दिखती हैं, उन मामले में हम जांच करते हैं। हम देखते हैं कि सरकार का पैसा गलत तरीके से नहीं जाए।

कई बार बैंक खाता संख्या की जानकारी गलत हो जाती है, कई मामलों में बैंक के विलय से आईएफएससी कोड बदल गये हैं। कुछ मामलों में नौकरी में तबादला होने से शाखा बदलने से आईएफएससी कोड बदलने से रिफंड में देरी होती है।

अगले सत्र में पेश किया जा सकता है NFRI विधेयक

नई दिल्ली (भाषा)।

आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने कहा है कि राष्ट्रीय वित्तीय सूचना रजिस्ट्री (एनएफआईआर) के गठन के लिए एक विधेयक का मसौदा लगभग तैयार है और इसे संसद के आगामी जुलाई सत्र में पेश किया जा सकता है।

ऋण संबंधी सूचना के लिए सार्वजनिक बुनियादी ढांचा तैयार करने और कर्ज देने वाली एजेंसियों को सही सूचना उपलब्ध कराने के लिए एनएफआईआर का गठन किया जाना है। राष्ट्रीय वित्तीय सूचना रजिस्ट्री, वित्तीय और सहायक जानकारी के केंद्रीय भंडार के रूप में काम करती है। इससे अच्छी तरह से कर्ज देने, वित्तीय समावेशन और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।

सेठ ने एक साक्षात्कार में बताया, 'मसौदे पर हितधारकों के साथ विचार-विमर्श किया जा चुका है और यह लगभग तैयार है। हम इसे जल्द ही मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल के पास भेजेंगे। लेकिन, मौजूदा सत्र में इसे पेश करना संभव नहीं होगा।' उन्होंने कहा कि विधेयक को जुलाई सत्र में पेश किया जा सकता है।

अगले कुछ महीनों में आम चुनाव के बाद 18वीं लोकसभा का पहला सत्र जुलाई में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान वित्त वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट पेश किया गया।

पूंजीगत व्यय के लिए अधिक प्रावधन के फायदों पर चर्चा करते हुए सेठ ने कहा कि इससे अर्थव्यवस्था को कई तरह से लाभ होता है, निजी निवेश को बढ़ावा मिलता है और बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलता है।

'देश में कंपनियों के लिए कराधान ढांचा काफी उचित'

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत में कंपनियों के लिए 22 प्रतिशत के साथ कराधान ढांचा 'काफी उपयुक्त' है। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने यह बात कही है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि भारत जैसे आकार वाली अर्थव्यवस्था की दृष्टि से देखा जाए यह कराधान उचित नजर आता है। यहीं वजह है कि नई विनिर्माण इकाइयों के लिए रियायती कर व्यवस्था जो चार साल के लिए लागू की गई थी, उसे मार्च, 2024 से आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।

मल्होत्रा ने कहा कि अंतरिम बजट 2024-25 कराधान व्यवस्था में निरंतरता प्रदान करता है और पिछले वर्षों में करदाताओं को दिए गए लाभ व्यक्तिगत आयकर में भारी उछाल के रूप में नतीजे दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'करदाता सेवाओं पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। यह रुख आगे भी जारी रहेगा। इसके तहत इन्हें सुसंगत बनाना, सरलीकरण और विश्वास आधारित कराधान के साथ कम जांच और प्रौद्योगिकी जैसी चीजों पर ध्यान दिया जा रहा है।

हमें उम्मीद है कि करदाता सेवाओं में सुधार जारी रहेगा और इससे हमें अनुपालन को बेहतर करने और कर संग्रह दक्षता में सुधार करने में मदद मिलेगी।''

नीतिगत दरों में बदलाव की कोई उम्मीद नहीं

मुंबई (भाषा)।

अंतरिम बजट के ठीक बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अल्पकालिक ऋण दर (रेपो दर) पर यथास्थिति जारी रखने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि केंद्रीय बैंक इस सप्ताह अपनी आगामी द्विमासिक मौद्रिक नीति में नीतिगत दरों में कोई बदलाव शायद ही करे, क्योंकि खुदरा मुद्रास्फीति अब भी संतोषजनक दायरे के ऊपरी स्तर के करीब है।

■ मौद्रिक नीति समिति की बैठक मंगलवार से
■ मुद्रास्फीति अब भी ऊंची, खाद्य वस्तुओं पर बना है दबाव : सबनवीस

रिजर्व बैंक ने लगभग एक साल से अल्पकालिक ऋण दर या रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा है। इसे आखिरी बार फरवरी 2023 में 6.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया गया था। खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई, 2023 में 7.44 प्रतिशत के उच्चस्तर पर थी और उसके बाद इसमें गिरावट आई है। हालांकि, यह अब भी अधिक ही है। खुदरा मुद्रास्फीति दिसम्बर, 2023 में 5.69 प्रतिशत थी। सरकार ने रिजर्व बैंक को मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत के दायरे में रखने की जिम्मेदारी सौंपी है। आरबीआई गवर्नर की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक छह फरवरी को शुरू होगी। गवर्नर शक्तिकांत दास आठ फरवरी को समिति के फैसले की घोषणा करेंगे।

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने अनुमान जताया कि एमपीसी दर और रुख, दोनों में यथास्थिति बनाए रखेगी। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि दिसम्बर के आंकड़ों के मुताबिक मुद्रास्फीति अब भी ऊंची है और खाद्य पक्ष पर दबाव है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति कम होने का अनुमान है, हालांकि इसके लिए मानसून का रुख महत्वपूर्ण होगा।

उन्होंने कहा, 'हमें आगामी समीक्षा में दरों या रुख में कोई बदलाव की उम्मीद नहीं है। अगस्त, 2024 में जाकर ही दर में कटौती देखी जा सकती है।'

कारपोरेटनामा

मलाबार गोल्ड का नया शोरूम खुला

नई दिल्ली (वि.)। प्रमुख रिटेल आभूषण विक्रेता मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने लखनऊ के आलमबाग में अपना नया स्टोर खोला, जिससे विश्वस्तरीय आभूषण खरीदारी अनुभव प्रदान करने की अपनी पहुंच और प्रतिबद्धता का और विस्तार हुआ। ए-100, सेक्टर-बी, कानपुर रोड, एलडीए कॉलोनी, आलमबाग, लखनऊ में स्थित 5844 वर्ग फुट के विशाल स्टोर का उद्घाटन समारोह 3 फरवरी, 2024 को हुआ। उद्घाटन में भारत सरकार के आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री श्री कौशल किशोर की गरिमामयी उपस्थिति रही। नए स्टोर की शुरुआत को लेकर मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के चेयरमैन एम. पी. अहमद ने कहा, 'हम मलाबार अनुभव को आलमबाग, लखनऊ में लाने के लिए उत्साहित है। हमारा नया स्टोर सिर्फआभूषण बेचने के बारे में नही है बल्कि हमारे ग्राहकों के लिए यादगार पल बनाने के बारे में भी है। अपने विविध संग्रहों और निष्पक्षता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, हमारा लक्ष्य शहर का सर्वोत्तम आभूषण खरीदारी गंतव्य बनाना है। यह स्टोर आभूषणों के शौकीनों के लिए शानदार जगह होगी, जो सर्वोत्तम कीमतों और उचित मेकिंग शुल्क पर गहनों की विस्तृत और उत्कृष्ट रेंज पेश करेगा।'

कार्बन फाइनेंस पर सम्मेलन आयोजित

नई दिल्ली (वि.)। इंडियन आयल ने भारत की स्वच्छ ऊर्जा से खाना पकाने की चुनौतियों को संबोधित करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर चिह्नित करते हुए 'सौर कुकिंग के लिए कार्बन वित्त का लाभ उठाने' पर एक सम्मेलन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम इंडियन आयल ने नई दिल्ली में अपने नालेज पार्टनर्स फिनोविस्टा और माडर्न एनर्जी कुकिंग सर्विसेज (एमईसीएस) के माध्यम से आयोजित किया था। इस कार्यक्रम में उद्योग विशेषज्ञों, संघ और राज्य सरकारों के गणमान्य व्यक्तियों, प्रमुख हितधारकों, नीति निर्माताओं और निर्माताओं ने भाग लिया। इंडियन ऑयल के इनडोर सोलर कुकिंग सिस्टम के बारे में साझा करते हुए, डा. उमिश श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक (ई और आईओटीडीडीसी), आरएंडडी सेंटर, इंडियन आयल ने उल्लेख किया कि यह प्रणाली स्वच्छ ऊर्जा खाना पकाने की प्रौद्योगिकियों पर आधारित है। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, इंडियन आयल के मुख्य महाप्रबंधक (विपणन रणनीतियां) सौमित्र चक्रवर्ती ने साझा किया कि सूर्य नूतन का उद्घाटन बेंगलुरु में आयोजित भारत ऊर्जा सप्ताह 2023 में भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा किया गया था और अपनी आशावाद व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि सूर्य नूतन आने वाले वर्षों में 3 करोड़ घरों तक पहुंच जाएगा। इस अवसर क्लाइमेट पार्लियामेंट के संजय कुमार ने कहा कि सूर्य नूतन एक अद्वितीय उपकरण है जो पूरे वर्ष उपयोग में आता है। यह एक इनोवेटिव समाधान है, जो हर परिस्थिति में अनुकूल है।

बांड बाजार में एफपीआई का निवेश 6 वर्ष के उच्च स्तर पर

■ जनवरी में किया गया कुल 19800 करोड़ रुपये का निवेश
■ जेपी मार्गन इंडेक्स में शामिल होने से बढ़ा बांड का आकर्षण
■ जून 2017 में FPI ने इसमें किया 26685 करोड़ का निवेश
■ निश्चित आय बाजार में निवेश 2.39 अरब डालर रहा
■ जून 2024 में उभरते बाजार के बेंचमार्क से जुड़ेंगे इंडियन बांड

नई दिल्ली (भाषा)।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जनवरी में देश के ऋण या बॉन्ड बाजार में 19,800 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह बॉन्ड बाजार में एफपीआई के प्रवाह का छह साल में सबसे ऊंचा मासिक स्तर है।

भारत सरकार के बॅन्ड को जेपी मॉर्गन इंडेक्स में शामिल किए जाने के बाद एफपीआई का भारतीय बान्ड बाजार के प्रति आकर्षण बढ़ा है। वहीं दूसरी ओर एफपीआई ने अमेरिका में बॅन्ड पर प्रतिफल बढने के बीच जनवरी में भारतीय शेयरों से 25,743 करोड़ रुपये की निकासी की है।

डिपाजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में एफपीआई ने बान्ड बाजार में शुद्ध रूप से 19,836 करोड़ रुपये डाले हैं। यह जून, 2017 के बाद उनके निवेश का सबसे ऊंचा मासिक स्तर है। उस समय उन्होंने बांड बाजार में 25,685 करोड़ रुपये डाले थे।

इससे पहले दिसम्बर में एफपीआई ने बांड में 18,302 करोड़ रुपये, नवम्बर में 14,860 करोड़ और अक्टूबर में 6,381 करोड़ रुपये डाले थे।

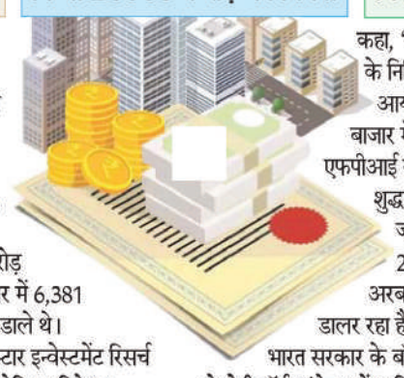

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, 'भारत के निश्चित आय बाजार में एफपीआई का शुद्ध प्रवाह जून में 2.39 अरब डालर रहा है। भारत सरकार के बॉन्ड को जेपी मॉर्गन इंडेक्स में शामिल किए जाने की वजह से यह निवेश आया है।' जेपी मॉर्गन चेज एंड कंपनी ने पिछले साल सितंबर में घोषणा की थी कि वह जून, 2024 से भारत सरकार के बॉन्ड को अपने उभरते बाजार के बेंचमार्क में जोड़ेगी। इस ऐतिहासिक कदम से इसके बाद के डेढ से दो साल में भारत को 20 से 40 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करने में मदद करेगी।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में घोषणा की है कि वित्त वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटे को कम कर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.1 प्रतिशत पर लाया जाएगा। यह घोषणा भी बॉन्ड बाजार की दृष्टि से सकारात्मक है।

कुल मिलाकर, 2023 में एफपीआई ने शेयरों में 1.71 लाख करोड़ रुपये और ऋण या बॉन्ड बाजार में 68,663 करोड़ रुपये डाले थे। इस तरह पूंजी बाजार में उनका कुल निवेश 2.4 लाख करोड़ रुपये रहा था।

डेविस कप : भारत ने विश्व ग्रुप एक में बनाई जगह, पाकिस्तान को 4-0 से रौंदा

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

भारतीय डेविस कप टीम ने युकी भांबरी और साकेत माइनेनी की आसान जीत तथा निकी पूनाचा के विजयी पदार्पण से पाकिस्तान को 4-0 से हराकर 60 साल बाद चिर प्रतिद्वंद्वी देश का ऐतिहासिक दौरा पूरा करते हुए विश्व ग्रुप एक में जगह सुनिश्चित की। युकी और साकेत ने युगल मुकाबले में जीत के साथ भारत को प्ले ऑफ में 3-0 की विजयी बढ़त दिलाई।

शनिवार को 2-0 की बढ़त हासिल करने के बाद रविवार को युकी और साकेत ने मुजम्मिल मुर्तजा और अकील खान की मेजबान टीम की जोड़ी को 6-2, 7-6(5) से हराकर मुकाबले में पाकिस्तान पर भारत के दबदबे को बरकरार रखा फिर 28 वर्षीय पूनाचा को मोहम्मद शोएब के खिलाफ बेमानी चौथा मैच खेलने के लिए उतारा गया जिन्होंने इसमें 6-3, 6-4 से जीत हासिल की। इसके बाद पांचवां मैच नहीं खेला गया।

भारत की पाक पर 8वीं जीत

टेनिस के विश्व कप के रूप में पहचानी जाने वाली इस प्रतियोगिता में भारत की आठ मुकाबलों में पाकिस्तान के खिलाफ यह आठवीं जीत है। भारतीय टीम अब सितंबर में विश्व ग्रुप एक में हिस्सा लेगी जबकि पाकिस्तान ग्रुप दो में रहेगा। भारतीय टीम ने कड़ी परिस्थितियों और अपने आस-पास भारी सुरक्षा से अच्छी तरह सामंजस्य बैठाया और माहौल का अपने प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ने दिया। पाकिस्तान टेनिस महासंघ ने खिलाड़ियों के चारों ओर एक सुरक्षा जाल बनाने में अच्छा काम किया। कई एजेंसियों ने मिलकर यह सुनिश्चित किया कि यह ऐतिहासिक मुकाबला बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न हो।

खबर संक्षेप

बुमराह ने इंग्लैंड को ध्वस्त कियाः कुक

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक ने कहा है कि जसप्रीत बुमराह ने पिच को समीकरण से बाहर कर दिया और मुश्किल कोणों से गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को परेशान किया जिससे उन्हें खेलना लगभग नामुमकिन हो गया। विशाखापत्तनम में बुमराह ने रिवर्स स्विंग का शानदार नजारा पेश करते हुए छह विकेट चटकाए जिससे इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 253 रन पर आउट हो गई और भारत को 143 रन की महत्वपूर्ण बढ़त मिली।

रूट के अंगुली में चोट मैदान से बाहर गए

विशाखापत्तनम। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट को रविवार को यहां भारत के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन सुबह के सत्र में दाएं हाथ की छोटी अंगुली में चोट लगने के कारण मैदान से बाहर जाने को बाध्य होना पड़ा। रूट को भारत की दूसरी पारी के 18वें ओवर के दौरान चोट लगी जब उन्होंने स्लिप में शुभमन गिल के बल्ले से लगकर आई गेंद को लपकने की कोशिश की। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान की अंगुली पर गेंद लगी और फिर बाउंड्री के लिए चली गई।

ईरान एशियाई कप के सेमीफाइनल में पहुंचा

अल रेयान। अलीरेजा जहानबख्श के अंतिम मिनट में पेनल्टी पर दागे गोल की बदौलत ईरान ने शनिवार को यहां जापान को 2-1 से हराकर एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। ईरान ने 2004 के बाद से सिर्फ दूसरी बार टूर्नामेंट के अंतिम चार में प्रवेश किया है। ईरान सेमीफाइनल में टूर्नामेंट के मेजबान कतर से भिड़ेगा जिसने उज्बेकिस्तान के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहने के बाद पेनल्टी शूट आउट में 3-2 से जीत दर्ज की।

भारत 'ए' ने लायंस को 2-0 से रौंदा

अहमदाबाद। भारत 'ए' ने अपने स्पिनरों के दमदार प्रदर्शन से रविवार को यहां तीसरे और अंतिम अनौपचारिक टेस्ट के चौथे दिन इंग्लैंड लायंस पर 134 रन की शानदार जीत दर्ज की। इंग्लैंड लायंस की टीम 403 रन के असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में 268 रन पर सिमट गई जिससे भारत 'ए' ने तीन मैच की श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की।

टेस्ट : मेहमान टीम का स्कोर 67/1, 332 रन की दरकार

शुभमन का शतक, भारत ने इंग्लैंड को दिया 399 रन का रिकॉर्ड लक्ष्य

एजेंसी ▶▶ विशाखापत्तनम

भारत ने इंग्लैंड को दूसरे क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को यहां रिकॉर्ड 399 रन का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में उसने एक विकेट पर 67 रन बना लिए हैं। शुभमन गिल (104 रन) के शतक के बावजूद भारत दूसरी पारी में 255 रन पर सिमट गया। मेजबान टीम ने अपने अंतिम छह विकेट 44 रन पर गंवाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाजों जैक क्राउली (नाबाद 29) और बेन डकेट (28) ने पहले विकेट के लिए 11 ओवर के भीतर 50 रन जोड़कर इंग्लैंड को अच्छी शुरुआत दिलाई। इंग्लैंड को जीत के लिए अब भी 332 रन की दरकार है।

इंग्लैंड को हालांकि श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बनाने के लिए रिकॉर्ड लक्ष्य मिला है। वेस्टइंडीज ने दो साल पहले बांग्लादेश में 395 रन बनाकर जीत दर्ज की थी जो एशिया में सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत है। भारतीय टीम दूसरी पारी में एक समय चार विकेट पर 211 रन बनाकर काफी अच्छी स्थिति में थी लेकिन निचले क्रम ने एक बार फिर निराश किया। दूसरी पारी में गिल ने खराब फॉर्म से उबरते हुए शतक जड़ा। उन्होंने अक्षर पटेल (45 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 89 रन जोड़े लेकिन इस साझेदारी के टूटने के बाद भारतीय पारी को सिमटने में अधिक वक्त नहीं लगा।

मैच में भारत की एक भी शतकीय साझेदारी नहीं

मैच में कुल 651 रन बनाए। भारतीय टीम के लिए इस मैच में एक भी शतकीय साझेदारी नहीं हुई। पहली पारी में सबसे बड़ी साझेदारी तीसरे विकेट के लिए हुई थी। यशस्वी जायसवाल के साथ श्रेयस अय्यर ने 90 रन जोड़े थे। दूसरी पारी में सबसे बड़ी साझेदारी 5वें विकेट के लिए हुई। शुभमन गिल और अक्षर पटेल ने 89 रन जोड़े। दोनों ही पारियों में भारतीय बल्लेबाज लगातार सेट होकर आउट होते रहे। यही वजह है कि शतकीय साझेदारी नहीं बन पाई। इस सीरीज के पहले टेस्ट में भी भारतीय टीम की कोई जोड़ी 100 रनों की साझेदारी नहीं बना पाई थी।

100+ साझेदारी के बिना भारत के लिए एक टेस्ट में सर्वाधिक रन

रन	खिलाफ	मैदान	वर्ष
724	वेस्टइंडीज	वानखेड़े	2011
678	इंग्लैंड	लॉर्ड्स	1990
663	पाकिस्तान	बेंगलुरु	2005
656	बांग्लादेश	चटोग्राम	2010
651	इंग्लैंड	विशाखापत्तनम	2024
638	इंग्लैंड	हैदराबाद	2024

गिल ने 332 दिन बाद जड़ा शतक

शुभमन गिल ने 332 दिन और 12 पारियों के बाद टेस्ट क्रिकेट में शतक लगाया है। इससे पहले गिल का आखिरी शतक टेस्ट 9 मार्च 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद में आया था। उस शतक के बाद से गिल 12 पारियों में एक फिफ्टी तक नहीं लगा पाए थे। उन पारियों में गिल ने 13, 18, 6, 10, 29, 2, 26, 36, 10, 23, 0 और 34 रनों की पारियां खेली थीं।*

सैमसन के अर्धशतक से बढ़ी छत्तीसगढ़ की मुश्किलें

▶▶ रायपुर

राजधानी के शहीद वीरनारायण सिंह स्टेडियम में बीसीसीआई द्वारा आयोजित रणजी ट्रॉफी में रविवार को छत्तीसगढ़ और केरल के बीच मैच खेला गया। महत्वपूर्ण मैच में टीम इंडिया से बाहर चल रहे संजू सैमसन का बल्ला छत्तीसगढ़ के खिलाफ जमकर चला। संजू ने 79.17 की औसत से 72 बॉल में 57 रन बनाए, जिसमें 9 चौके शामिल रहे। इस अर्धशतक पारी से टीम करेल मजबूत स्थिति में पहुंच चुकी है। संजू के फॉर्म में लौटने से छत्तीसगढ़ की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बता दें कि लंबे समय में बाद छत्तीसगढ़ में रणजी से संजू का बल्ला चला है, जिसे टीम इंडिया में वापसी के लिए अच्छे संकेत के रूप में देखा जा रहा है। मैच के शुरुआत में केरल के दोनों ओपनर बल्लेबाज बिना खाता खोले ही आउट हो गए। इसके बाद प्रेम और सचिन में अर्धशतक खेलकर स्कोर को आगे बढ़ाया। मैच में संजू के साथ अजहरुद्दीन ने 85 रनों की पारी खेली।

- लंबे समय बाद रणजी में चला संजू का बल्ला, छत्तीसगढ़ के खिलाफ पहली बार लगाया अर्धशतक

डेब्यू मैच में 5 विकेट लेने वाले आशीष पहले गेंदबाज

छत्तीसगढ़ और केरल के बीच रणजी मैच से खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन से महत्वपूर्ण रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। छत्तीसगढ़ की ओर से आशीष चौहान अपने डेब्यू मैच में 5 क्रिकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले किसी खिलाड़ी ने अपने पदार्पण मैच में इस तरह का प्रदर्शन नहीं दिखाया था। मैच में एम. रवि किरन और अजय मंडल ने 2-2 विकेट अपने नाम किए।

आज मैच का अंतिम दिन

छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने के बाद केरल की टीम ने पहली पारी में 110.1 ओवरों में 10 विकेट खोकर 350 रन बनाए। वही छत्तीसगढ़ ने अपनी पहली पारी में 103 ओवर में 10 विकेट खोकर 312 रन बनाए। दूसरे दिन की समाप्ति तक केरल ने अपनी दूसरी पारी में 18 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 69 रन बना लिए। दूसरे दिन की समाप्ति तक केरल 107 रनों से आगे है।

80वीं महंत राजा सर्वेश्वर दास अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता-2024

नई दिल्ली और आर्मी इलेवन ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

▶▶ राजनांदगांव

पूल ए के एकतरफा मैच में रविवार को पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड नई दिल्ली ने दक्षिण पूर्व रेलवे कोलकता को 7-2 से हराया। पूल बी की आर्मी स्पोर्ट्स कन्ट्रोल बोर्ड नई दिल्ली ने ईस्टर्न रेल्वे कोलकता को आसानी से 5-0 से हराते हुए 80वीं महंत राजा सर्वेश्वर दास स्मृति अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बना ली। दिन का तीसरा मैच काफी रोमांचक रहा जिसमें कस्टम पूना व सेल अकादमी राउरकेला 2-2 गोल की बराबरी पर रहे। स्टेडियम समिति द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेली जा रही है 80वीं महंत राजा सर्वेश्वर दास स्मृति अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता के सातवें दिन लीग राउंड के पहले मैच में पूल बी की दमदार टीम आर्मी इलेवन रेड ने एकतरफा मुकाबले में ईस्टर्न रेल्वे कोलकता को 0 के मुकाबले 5 गोल से पराजित करते हुए अपने दोनो मैच जीतकर 4 अंकों के साथ सेमीफायनल में स्थान बना ली।

आज के मैच

टीमें	समय
लखनऊ/कोलकता	12:45 बजे
सिंकदराबाद/राउरकेला	2.15 बजे
नई दिल्ली/मुंबई	3:45 बजे

प्लेयर ऑफ द मैच

रविवार के खेले मैच में राजेश जैन ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार पहले मैच में आर्मी इलेवन के दीपक कुमार, दूसरे मैच में पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड नई दिल्ली के तलविंदर सिंह और तीसरे मैच में सेल अकादमी के अभिषेक यादव को पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

आस्ट्रेलिया जीता, बनाई 2-0 की अजेय बढ़त

सिडनी। सीन एबोट के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत आस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज पर 83 रन की जीत से तीन वनडे की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल की। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। इसके बाद एबोट ने 69 गेंद में इतने ही रन बनाकर आस्ट्रेलिया को अपने घरेलू मैदान पर नौ विकेट पर 258 रन के प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। इस लंबी कद काठी के तेज गेंदबाज ने फिर 40 रन देकर तीन विकेट हासिल किये जिससे वेस्टइंडीज की टीम 43.3 ओवर में 175 रन पर सिमट गई।

विलियमसन का 30वां शतक कोहली-ब्रैडमेन को पीछे छोड़ा

एजेंसी ▶▶ माउंट मोनगानुई

न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला रविवार को बे ओवल में शुरू हुआ। कीवी टीम के स्टार और अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ने कमाल करते हुए शतक ठोका। टेस्ट फॉर्मेट में यह केन विलियमसन का 30वां शतक था। ऐसे में इन्होंने अब टेस्ट शतक के मामले में विराट कोहली और डॉन ब्रैडमेन को पीछे छोड़ दिया है। विराट और ब्रैडमेन के नाम टेस्ट में 29-29 शतक हैं।

केन विलियमसन ने फेब फोर में 30 शतक के साथ अब जो रूट की बराबरी कर ली है। वहीं विराट कोहली 29 टेस्ट सेंचुरी के साथ आखिरी पायदान पर हैं जबकि स्टीव स्मिथ 32 टेस्ट शतक के साथ टॉप पर हैं। दिन का खेल खत्म होने पर विलियमसन 112 जबकि रविंद्र 118 रन बनाकर खेल रहे थे। दोनों तीसरे विकेट के लिए 219 रन की अटूट साझेदारी कर चुके हैं। पहले दिन रन बनाना हालांकि आसान नहीं रहा। न्यूजीलैंड ने पहले सत्र में 25 ओवर में 65 और दूसरे सत्र में 27 ओवर में 60 रन बनाए।विलियमसन ने अपने 13वें चौके के साथ 241 गेंद में शतक पूरा किया।

कर्णी सिंह रेंज में छह से 15 मार्च तक होना है आयोजन

पैरालंपिक समिति निलंबित, खतरे में विश्व कप का आयोजन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय पैरालंपिक समिति को समय पर चुनाव नहीं कराने के कारण निलंबित करने के खेल मंत्रालय के फैसले के बाद अगले महीने भारत में पैरा निशानेबाजी विश्व कप की मेजबानी खतरे में पड़ गई है। कर्णी सिंह रेंज में छह से 15 मार्च तक आयोजित होने वाला पैरा निशानेबाजी विश्व कप भारत को आवंटित पहली बड़ी पैरा निशानेबाजी प्रतियोगिता है और इसमें पेरिस पैरालंपिक के 24 कोटा स्थान दांव पर लगे हैं।

इस प्रतियोगिता में 52 देशों के 500 से अधिक पिस्टल, राइफल और शॉटगन निशानेबाजों के भाग लेने की उम्मीद है और उनका लक्ष्य क्वालीफिकेशन चक्र के आखिरी टूर्नामेंट के जरिए पैरालंपिक कोटा स्थान सुरक्षित करना है। कई शीर्ष भारतीय पैरा निशानेबाज भी पैरालंपिक कोटा स्थानों के लिए चुनौती पेश करेंगे।

खेल मंत्रालय का फैसला

दो फरवरी के खेल मंत्रालय के फैसले के बाद इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। पीसीआई प्रतिस्पर्धियों की प्रविष्टियों की नाम से पुष्टि करने, उनके वीजा की व्यवस्था करने, रहने और टूर्नामेंट के आयोजन के लिए एक तकनीकी टीम तैयार करने के लिए अंतिम चरण में है तब खेल मंत्रालय ने यह फैसला किया है। मंत्रालय ने दो फरवरी को एक आदेश जारी कर राष्ट्रीय खेल संहिता के अनुसार 'नई कार्यकारी समिति के चुनाव में' राष्ट्रीय संस्था द्वारा 'जानबूझकर देरी' के लिए पीसीआई की मान्यता को निलंबित कर दिया था।

जनवरी तक नहीं हुए चुनाव

पीसीआई की कार्यकारी समिति का चार साल का कार्यकाल इस साल 31 जनवरी को समाप्त हो गया और मंत्रालय के अनुसार कार्यकाल समाप्त होने से पहले चुनाव हो जाने चाहिए थे। पीसीआई ने इस साल 28 मार्च को चुनाव निर्धारित किया है। पीसीआई महासचिव गुरशरण सिंह ने रविवार को बताया कि मंत्रालय को सूचित किया गया है कि पैरा विश्व कप के कारण ही चुनावों में देरी हो रही है। गुरशरण ने कहा, 'हां, उन्होंने पीसीआई की मान्यता निलंबित कर दी है। वे ऐसा कैसे कर सकते हैं जब किसी भी राष्ट्रीय खेल महासंघ को चालू वर्ष के लिए मान्यता नहीं मिली है।'

प्रभु में दृढ़ स्सित हो जाना है निर्गुणोपासना

व हां सर्वज्ञादि गुणों के साथ परमेश्वर की उपासना करनी सगुण और द्वेष, रूप, रस, गंध, स्पर्श आदि गुणों से पृथक मान, अतिसूक्ष्म आत्मा के भीतर-बाहर व्यापक परमेश्वर में दृढ़ स्सित हो जाना निर्गुणोपासना कहलाती है। इसका फल जैसे शीत से आतुर पुरुष का अग्नि के पास जाने से शीत निवृत्त हो जाता है, वैसे परमेश्वर के समीप प्राप्त होने से सब दोष-दुख छूटकर परमेश्वर के गुण, कर्म, स्वभाव के सदृश जीवात्मा के गुण, कर्म, स्वभाव पवित्र हो जाते हैं, इसलिए परमेश्वर की स्तुति प्रार्थना के सदृश जीवात्मा के गुण, कर्म, स्वभाव पवित्र हो जाते हैं, इसलिए परमेश्वर की स्तुति, प्रार्थना और उपासना अवश्य करनी चाहिए। इससे इसका फल पृथक होगा, परंतु आत्मा का बल इतना बढ़ेगा वह पर्वत के समान दुख प्राप्त होने परभी न घबराएगा और सबको सहन कर सकेगा।

क्या यह छोटी बात है? जो परमेश्वर की स्तुति, प्रार्थना और उपासना नहीं करता वह कृतघ्न और महामूर्ख भी होता है, क्योंकि जिस परमात्मा ने इस जगत के सब पदार्थ जीवों को सुख के लिए दे रखे हैं, उसका गुण भूल जाना, ईश्वर ही को न मानना कृतघ्नता और मूर्खता है। यह उपनिषद (श्वेता 3/93) का वचन है। परमेश्वर के हाथ नहीं परंतु अपनी शक्तिरूप हाथ से सब का रचन ग्रहण करता, पग नहीं परंतु व्यापक होने से सब से अधिक वेगवान, चक्षु का गोलक नहीं परंतु सब को यथावत् देखता, श्रोत्र नहीं तथापि सब की बातें सुनता, अंत:करण नहीं परंतु सब जगत को जानता है, और उसको अवधिसहित जानने वाला कोई भी नहीं। उसी को सनातन, सबसे श्रेष्ठ, सब में पूर्ण होने से पुरुष कहते हैं। वह इंद्रियों और अंत:करण से होने वाले काम अपने सामर्थ्य से करता है।

(पूर्व.) उसको बहुत से मनुष्य निष्क्रिय और निर्गुण कहते हैं।

(उत्तर.) यह उपनिषद (श्वेता 06/8) का वचन है। परमात्मा से कोई तद्रुप कार्य और उसको करण अर्थात साधकतम दूसरा अपेक्षित नहीं। न कोई उसके तुल्य और न अधिक है। सर्वोत्तम शक्ति अर्थात जिसमें अनंत ज्ञान, अनंत बल और अनंत किया हैवह स्वाभाविक अर्थात सहज उसमें सुनी जाती है। जो परमेश्वर निष्क्रिय होता तो जगत की उत्पत्ति स्थिति प्रलय न कर सकता। इसलिए वह विभु तथापि चेतन होने से उसमें किया भी है।

पूर्व. जब वह क्रिया करता होगा तब अंतवाली क्रिया होती होगी वा अनंत?

(उत्तर.) जितने देश काल में क्रिया करनी उचित समझता है उतने ही देश काल में क्रिया करता है न अधिक न न्यून, क्योंकि वह विद्वान है।

अहंकारी को कभी कुछ नहीं मिलता

सा मने परमात्मा भी मौजूद हो तो अहंकारी की झोली रिक्त रह जायेगी। श्रीकृष्ण साक्षात मौजूद थे पर क्या कंस या दुर्योधन झोली भर सके? श्री राम सामने थे पर क्या रावण अपनी झोली भर पाया? रावण, दुर्योधन या गोशालक अपने अहंकार के कारण खाली रह गए। मधुमास झूम-झूम कर बरस रहा था पर उनके कण्ठ तर न बन सके। हजारों-हजार सूर्यों का प्रकाश पलकों पर दस्तक दे रहा था पर वे आंखें मूंदे बैठे रहे। आत्मा पर प्रगट होने वाले प्रेम आत्मा में परमात्मा को जगा देता है। सब और परमात्मा खिलता है, फूलों में, कलियों में कांटों में, झाड़ों में। सब ओर परमात्मा बरसता है, नदियों में, नालों में, मरूस्थलों में, समस्थलों में। सब ओर परमात्मा झांकता है, पशुओं में, पौधों में, देवों में, दैत्यों में। अकथ है प्रेम की कथा। इसीलिए

मुनि मणिभद्र

महात्मा कबीर ने झूमकर गाया था-- अकथ कहानी प्रेम की...। एक मधुर शब्द है, उपासना। उपासना का आथ है, उप-आसना, अर्थात पास बैठ जाना, निकट बैठ जाना। इतना ही अर्थ है उपासना का। पर मूढ़ लोग उपासना के नाम पर बहुत कुछ करते रहते हैं। पूजाएं करते हैं, आरतियां करते हैं, देव पर नैवेद्य चढ़ाते हैं, और कहते हैं कि हम उपासना कर रहे हैं। उपासना पूजा नहीं है, उपासना पूजा नहीं है, उपासना तो समीप बैठना है। हमारे आगमों में श्रावक के लिए एक परिभाषिक शब्द दिया गया है, श्रमणोपासक। श्रमणोपसक का अर्थ है, वह व्यक्ति जो श्रमणों के निकट बैठता है। हमारे आगामों में श्रावक के लिए परिभाषित शब्द दिया गाया है, श्रमणोपासक। श्रमणोपासक का आर्थ है वह व्यक्ति जो श्रमणों के निकट बैठता है।

हमारे आगामों में श्रावक के लिए परिभाषित शब्द दिया गाया है, श्रमणोपासक। श्रमणोपासक का आर्थ है वह व्यक्ति जो श्रमणों के निकट बैठता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि वह श्रमणों की पूजा करता है या उनकी आरती उतारता है। सम्रण रखें, पूजा की आवश्यकता नहीं है। उपासना ही पर्याप्त है। हमें श्रमणों के सान्निध्य में बैठना भर आ जाए। बैठने से ही क्रांति घट जाती है। हम बुझे दीप हैं और श्रमण प्रज्ज्वलित दी हैं। बुझा हुआ दी प्रज्ज्वलित दीप का सामिप्य भर कर ले जो उसमें भी ज्योति की स्फुरण हो जाती है, वह स्वयं भी प्रज्ज्वलित दीप बन जाता है। सत्संग का अर्थ भी यही है कि सत्य का संग। ऐसे पुरुषों का संग जिनमें सत्य उतर आया हो, जिनके जीवन में सत्य के फूल खिल गए हो। नन्हा अतिमुक्त कुमार महावीर के समीप बैठा। महावीर की उपासना की उसने और उसके भीतर महावीर की ज्योति उतर आई। गजसुकुमाल ने अरिहंत अरिष्टनेमि की उपासना की और उनमें ज्योति जग गई। यदि हम संत के समीप, बुद्ध पुरुष की सान्निधि में ठीक बैठ सकें तो क्रांति घटती है। लकिन हम ठीक से बैठ ही कब पाते हैं।

जब चेतन स्वरूप में रहता है...

इ स प्रकार बुद्धि से परे काम को बलवान् और अत्यन्त श्रेष्ठ जानकर बुद्धि के द्वारा मन को वश में करके हे महाबाहो! तू इस कामरूप दुर्जय शत्रु को समाप्त कर दे। विषय से अधिक इन्द्री व्यापक-श्रेष्ठ सबल अरु सूक्ष्म प्रकाशक विषय ज्ञान होता इन्द्री से-ज्ञान इन्द्रियों का विषय इन्द्रियों के अंतर्गत-नहीं विषय बदलते पर न इन्द्रियां- अत: विषय से इन्द्रियां

प्यारे लाल त्रिवेदी

दोहा- मन जाने सब इन्द्रियां, इन्द्री मन को न जान।
न विषय से विषयांतर्गत परे इन्द्रियां

अत: इन्द्रियों से परे, मन व्यापक बलवान मन नहिं जाने बुद्धि को, बुद्धि को मन का ज्ञान अत: बुद्धि मन से परे, सूक्ष्म सबल व महान ।

बुद्धि जानती मन है कैसा-शान्त अशान्त मनोरथ कैसा जाने बुद्धि इन्द्रियों को भी-अरु इन्द्रियों के विषयों को भी किन्तु बुद्धि से परे अहम् है-और अहम् से परे काम है अहम् बुद्धि का भी है स्वामी-कर्ता अहम् बुद्धि अनुगामी जो जड़ अंश अहम् में रहता-काम उसी जड़ अंश में रहता अहम् भोग की इच्छा करता-वही सुख व दुख भोक्ता बनता काम अहम् में ही है रहता-चेतन शुद्ध में नहीं रहता यदि चेतन स्वरूप में रहता-तब तो काम कभी नहिं मिटता।

दोहा - अहम् जहां तक वहां तक, सकल प्रकृति

श्रीमद्भगवद् गीता - सुगम हिंदी व्याख्या

का वंश। अहम् से परे स्वयं है, परमात्मा का अंश।। कर केवल संबन्ध निज, परमात्मा के साथ। दुर्जय वैरी काम को,
करो नष्ट हे पार्थ।।

कर्मयोग में 2 बातें मुख्य हैं- 1. कर्तव्य-कर्मों का आचरण और 2. कर्तव्य-कर्यो के विषय में विशेष जानकारी। इस अध्याय में कर्तव्य-कर्मों के आचरण की बात भी कही गयी है परन्तु कर्तव्य-कर्मों के विषय में जानकारी की बात मुख्य है।

सम्बन्ध - कर्मयोग अनादि है फिर भी इस भूमण्डल पर उसके जाननेवाले विशेष पुरुष के न रहने से बहुत काल से लुप्त प्राय हो गया था। उसी कर्मयोग की परम्परा बताकर एवं उसकी अनादिता सिद्ध करते हुये भगवान कर्मयोग का वर्णन पुन: आरम्भ करते हैं।

श्रीभगवान् बोले- मैंने इस अविनाशी योग को कल्प के आदि में सूर्य से कहा था। सूर्य ने अपने पुत्र वैवस्वत मनु से कहा। तत्पश्चात् मनु ने अपने पुत्र राजा इक्ष्वाकु से कहा।।

दोहा -कर्मयोग है सनातन, बोले श्री भगवान।
गृहस्थ आश्रम के लिये, यह विशेष है ज्ञान।।
किसी देश वर्णाश्रम,
सम्प्रदाय के लोग।
भगवत् प्राप्ति सुगम उन्हें,
पालन कर यह योग।।

कल्प के आदि काल में इसको-मैंने कहा था स्वयं सूर्य को इसी योग को कहा सूर्य ने-वैवस्वत मनु पुत्र से अपने कहा यही वैवस्वत मनु ने-फिर इक्ष्वाकु पुत्र से अपने मनु इक्ष्वाकु सूर्य सब भूपति-थे गृहस्थ राजा निर्मल मति करके कर्मयोग का पालन-पाया परम सिद्धि मय जीवन

इस प्रकार परम्परा से प्राप्त इस योग को राजर्षियों ने जाना, किन्तु उसके पश्चात् हे परन्तप अर्जुन! वह योग बहुत काल से इस मृत्युलोक में लुप्तप्राय हो गया।।

कर्मयोग को राजाओं ने-और श्रेष्ठ जन समुदायों ने अपने जीवन में अपनाया-तथा प्रजा से भी करवाया जो राजा ऐसा करते थे-सब राजर्षि उन्हें कहते थे

दोहा - परम्परा से प्राप्त यह, कर्मयोग का ज्ञान राजर्षियों ने जानकर, पाया अतिशय मान मृत्युलोक में घट गया, योगी जन समुदाय दीर्घकाल पश्चात् अब, है यह लुप्तप्राय ।।

तू मेरा भक्त और प्रिय सखा है, अतएव वही यह पुरातन योग आज मैंने तुझसे कहा है, क्योंकि यह बड़ा ही उत्तम रहस्यपूर्ण और गोपनीय विषय है।।

तू है सखा परम प्रिय मेरा-उत्तम भक्ति आदि काल में कर्म योग को-मैने ही था भाव भी तेरा कहा सूर्य को उत्तम गोपनीय है अत: वही पुनि योग पुरातन-तुमसे आज कहा हे अर्जुन साधना नित्य है-अतिशय कर्मयोग

सम्बन्ध - भगवान की आयु एवं जन्म सम्बन्धी अर्जुन का प्रश्न।

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

निरंकारी बाबा हरदेव सिंह

जब हम सबका भला करते हैं...

फि र हम अपने संकुचित दायरे से ऊपर उठ जाते हैं, फिर हम खुदगर्जियों से ऊपर उठ जाते हैं, हम केवल अपने लिए ही नहीं सोचते, फिर औरों की सोच मन में पहले आती है और हम सब का भला करने के लिए तन-मन-धन के योगदान देने लगते हैं। इस मालिक खालिक के अनेक नाम हैं, चाहे ईश्वर कह लें, अल्लाह कह लें या गॉड कह लें लेकिन यह परमात्मा एक ही है। अगर हम इसे जीवन में ऊंचा दर्जा प्रदान करते हैं तो हमारा म्यार भी ऊंचा हो जाता है। इसी एक के साथ नाता जोड़कर ही जीवन महत्वपूर्ण बनता है। जो परमात्मा को प्रधानता नहीं देते, इसे भुलाकर जीवन जीते हैं, वे हमेशा गिरावट में रहते हैं। संसार में अनेक राजा हुए, विद्वान हुए, धनवान हुए, बलवान हुए लेकिन महत्ता उन्हीं को मिली जिन्होंने इस सत्य परमात्मा को जीवन में महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया। हिरण्यकश्यप स्वयं को सर्वश्रेष्ठ मानता था। वह परमात्मा को ऊंचा दर्जा देने को तैयार नहीं था। उसके बेटे प्रह्लाद ने परमात्मा का नाम लिया तो उस पर भी उसने कितने जुल्म ढाये, उसे मारने के लिए कितने प्रयास किए। इसलिए हिरण्यकश्यप को आज तक कोसा जा रहा है। भक्त प्रह्लाद ने परमात्मा को महत्ता दी जिससे वह हमेशा के लिए एक रोशन सितारा बन गया। अगर मन का नाता परमात्मा से नहीं जुड़ा, मन में प्रेम उत्पन्न नहीं हुआ तो फिर जीवन निरर्थक हो जाता है, इन्सान अंधकार और पतन के मार्ग पर चलने लगता है। आज इन्सान छल-कपट कर, भाईयों का कत्ल कर, यहां तक कि पिता को मौत के घाट उतार कर महल इकट्ठे करता है, जायदादें बनाता है लेकिन यह लाभ का सौदा नहीं है। इस हरि के रंग में रंगे बगैर, इसे भूल कर जो इंसान जीवन का सफर तय करता है।

ज्ञानी और अज्ञानी में क्या है फर्क?

भा वना का फेर

जैसे स्त्री पति को भी आलिंगन करती है और पुत्र को भी आलिंगन करती है किंतु पति को आलिंगन करते समय काम भाव जागृत होता है और पुत्र को आलिंगन करते समय शुद्ध प्रेम भाव उत्पन्न होता है। वैसे ही अज्ञानी संसार को आसक्ति पूर्वक भोगता है और ज्ञानी अनासक्त भावना से भोगता है। दोनों में भावना मात्र का फेर है।

पाप का बाप

पाप का बाप काम, क्रोध और लोभ है, दुर्वासना इसकी बहन है। विवेक रूपी पुरुष की शांति रूपी पत्नी को दुर्वासना भगा देती है और अपने अधीन करके विषय भोगों की इच्छा कराती है, जिससे जीव अशांति को प्राप्त होता है। जिस घर में काम, क्रोध का डेरा हो, वहां शांति कैसे हो सकती है और शांति के बिना सुख कैसे हो सकता है?

ब्रह्म जगदाकार भासने पर भी सच्चिदानंद स्वरूप में स्थित है।

जैसे थाली में रखा हुआ बर्फ कुछ गल कर जल रूप भासता है और कुछ बर्फरूप भासता है। वास्तव में दोनों एक जल स्वरूप ही हैं। वैसे एक ही निराकार ब्रह्म विश्व रूपी थाली में कहीं साकार रूप में कहीं निराकार रूप में भासता है किंतु जैसे जल बर्फ बनने पर भी जलत्व गुण-धर्म में स्थित है वैसे ही निराकार ब्रह्म साकार संसार भासने पर भी निराकार सच्चिदानंद ब्रह्म स्वरूप में स्थित है।

सकाम व निष्काम कर्म

जैसे एक राजा की दो देवियां सेवा करती हैं, एक वेतन लेकर और दूसरी बिना वेतन के सेवा करती है। जो वेतन लेकर सेवा रकती है, वह नौकरानी कहलाती है और जो बिना वेतन के सेवा करती है, वह रानी कहलाती है। तात्पर्य यह है कि नौकरानी केवल वेतन तक के अधिकार रखती है और रानी राजा के समस्त संपत्ति पर अधिकार रखती है वैसे ही जो भक्त कामना लेकर भजन करता है।

जब श्रीकृष्ण प्रकट हुए

ज ब ब्राह्मण उन्हें आशीर्वचन प्रदान कर रहे थे, उसी समय श्रीकृष्ण जाम्बवती को साथ लेकर मणि धारण किए हुए वहां प्रकट हुए। उन्हें देखकर सबने आनंदित होते हुए मां भगवती का जयघोष किया। भगवान को भी विवादों में घिरना पड़ा, इसलिए अधीर मत हुआ कीजिए। तुम हमेशा कहते हो न कि दीया जल रहा है, दीया जल रहा है परंतु जरा सोचो कि दीया कहां जला, जलती तो बाती है न? लेकिन उसका श्रेय हमेशा दीया लूटता रहा। कभी तुमने कहा कि बाती जल रही है? बाती तिल-तिल करके जली और सारा श्रेय दीया लूटता रहा, लेकिन वो तो कभी अधीर नहीं हुई। तुम क्यों अधीर होते हो? जीवन में अनेक क्षण ऐसे आते हैं जब हमें लगता है कि हम पर अकारण लांछन लगे। तब इस कहानी को जरूर स्मरण करना।

श्री कृष्ण गुरु-शिष्य परंपरा को

दीदी मां ऋतंभरा

प्राण देने के लिए सांदीपनी मुनि के आश्रम उज्जैनी में गए थे। अनन्त कोटि ब्रह्मांडों के नायक जिनके चरणों से जाने कितनी विद्याओं का प्रादुर्भाव होता है, वे भी सद्गुरु के सान्निध्य में गुरुकुल के विद्यार्थी बने। उन्होंने जगत को बताया कि जो अपने आप अर्जित कर लिया जाता है, वे मात्र जानकारियां होती हैं लेकिन सद्गुरु से जो मिलता है वह ज्ञान होता है। भगवान मात्र अल्प समय के लिए गुरुकुल गए। गुरुदेव के चरणों में बैठे। सामान्यजन और गुरु में क्या फर्क है? शरीर से तो कोई फर्क नहीं, लेकिन सद्गुरु उस पार और हम इस पार हैं। गुरु चैतन्यता में रमण करते हैं। हमें चैतन्यता में स्थापित करते हैं। गुरु वे जिनमें गुरुता आ जाती है। श्रीरामचरितमानस की चौपाइयों और गीता के श्लोक कंठस्थ करने वालों, श्रीमद्भागवत के श्लोकों का रट्टा लगाने वालों को शब्द तो मिल जायेंगे पर शब्दों का रहस्य सद्गुरु के बिना प्राप्त नहीं हो सकेगा। एक बात याद रखना कि सद्गुरु सांत्वना नहीं देते। चोट करते हैं। कोई पंडित, कोई पुजारी, कोई गुरु घंटाल आपको सांत्वना दे सकता है। आपका कोई संबंधी मर गया है तो रोइये मत। मरने वाला तो स्वर्गवासी हो गया। अब सारे के सारे स्वर्गवासी होते हैं। नर्क तो खाली पड़ा है, लेकिन सद्गुरु ऐसा नहीं कहेंगे। वे कहेंगे कि जी खोलकर रो लो, क्योंकि आज तो तुम्हारा अपना मरा है, कल तुम भी तो मरोगे।

हिंदू धर्म में रात के समय क्यों नहीं जलाया जाता दीपक, जानिए इसका धार्मिक महत्व

सनातन धर्म में दीपक जलाना काफी ज्यादा शुभ माना जाता है। दीपक जलाने से न सिर्फ अंधकार दूर होता है, बल्कि नकारात्मकता भी खत्म हो जाती है। वहीं पूजा-अर्चना के दौरान दीपक जलाना श्रेष्ठ होता है। ऐसा करने से देव प्रसन्न होते हैं और घर परिवार पर कृपा बनी रहती है। इसी वजह से पूजा-पाठ के अलावा रोजाना नियमित रूप से सुबह-शाम दीपक जलाने की सलाह दी जाती है। हांलाकि शाम के समय दीपक जलाने के दौरान लोग गलती कर देते हैं। शाम के समय को जलने वाले दीपक को लोग रात में जलाते हैं। जिसको गलत माना जाता है।

धार्मिक शास्त्रों के मुताबिक पूजा दो तरह की होती है। जिनमें एक पूजा सात्विक तो दूसरी तांत्रिक पूजा होती है। गृहस्थ जीवन वाले लोग सात्विक पूजा करते हैं, तो वहीं तांत्रिक पूजा अघोरी और तांत्रिक लोग करते हैं। ब्रह्म मुहूर्त से सूर्यास्त तक का समय सात्विक पूजा का होता है। वहीं इसके बाद तांत्रिक पूजा की जाती है। क्योंकि मान्यता है कि सूर्यास्त के बाद देवी-देवता विश्राम करते हैं और निद्रा अवस्था में जाते हैं। ऐसे में सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त के बीच में दीपक जलाना शुभ माना जाता है। बता दें कि सुबह के समय दीपक जलाना शुभ माना जाता है और फिर संध्याकाल में आरती के लिए दीपक जलाना चाहिए। वहीं रात में दीपक जलाना निषेध माना जाता है। सूर्यास्त के दौरान शाम को दीपक जलाना चाहिए। क्योंकि अगर आप सूर्यास्त के बाद दीपक जलाते हैं, तो यह तांत्रिक क्रिया के अनुरूप माना जाता है। जिसका जातक को फल नहीं मिलता है। देवी-देवताओं के सोने के बाद दीपक जलाने की मनाही होती है। ऐसे में सूर्यास्त के बाद जब देव सो जाते हैं, तब दीपक जलाने से उनके विश्राम में बाधा पड़ सकती है। यही वजह है कि हिंदू धर्म में रात के समय दीपक जलाने की सख्त मनाही होती है।

इच्छाओं की चालों में जीवन की बाजी दांव पर

इ सी प्रकार आजीवन इच्छाओं का उसके जीवन के साथ खेल चलता रहता है, किंतु जिस उद्देश्य से वह सब इच्छाएं करता है, उसकी पूर्ति तब भी नहीं हो पाती। बेचारा इन्हीं इच्छाओं की कपटपूर्ण चालों में अपने अनमोल जीवन की बाजी हार बैठता है। इससे पूर्व वह विचार भी नहीं करता कि मेरी मांग क्या है और यह मेरे साथ हो क्या रहा है? क्या इन इच्छाओं में ही सुख है-

पढ़-लिख के डिग्री पाईएँ
लेकिन मामला हल न हुआ,
नित नई इक चाल चल
इच्छाओं ने खेला जुआ।
हारा बाजी जिंदगी की,
चाहा था क्या, क्या हो गया,
सुख-चैन तेरे भीतर था,
हाय कहां तू खो गया।

ऋषि कहते हैं, कामनाओं को पूरा करने से काम नहीं बनेगा। इससे तो काम और बिगड़ेगा। इच्छाएं और भड़केंगी, बिल्कुल वैसे जैसे आग में घी डालने से वह भड़कती है।

हाय कहां तू खो गया

कितने पापड़ बेलता है मनुष्य अपने इस अल्पकालिक-नश्वर जीवन में? क्या-क्या नहीं करता वह केवल इसीलिए कि जीवन की निर्धारित अवधि सुखपूर्वक व्यतीत हो जाए, जीवन के हर मोड़ पर सदा शांति बनी रहे, किंतु यह भला संभव हो तो कैसे? विपरीत दिशा में चलकर कोई कहे कि मैं अपनी मंजिल तक पहुंच जाऊंगा- क्या यह संभव है?

जहां सुख है ही नहीं, वहां से सुख की तलाश में लगकर यह कहना कि जीवन सुखद बन जाए, भला मूर्खता नहीं तो और क्या है? कभी इससे आस, कभी उस पर विश्वास, कभी कहीं से शांति कीप्रयास। सारा जीवन यही करता रहता है मूढ़ मानव! लेकिन हाथ क्या लगता है? ● *(क्रमश:)*

फजाइले अमाल

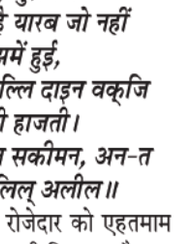

जरूरी है कान की हिफाजत

अ हादीस में गीबत और मुसलमान की आबरू रेजी पर सख्त से सख्त वइदें आई हैं। मेरा दिल चाहता था कि उनमें से कुछ मोत-दबा रिवायात जमा करूं, इसलिए कि हमारी मज्लिसें इससे बहुत ही ज्यादा पुर रहती हैं, मगर मजमून दूसरा है, इसलिए इसी कदर पर इक्तिफा करता हूं। अल्लाह तआला हम लोगों को इस बला से महफूज फरमाएं और बुजुर्गों और दोस्तों की दुआ से मुझ स्याहकार को भी महफूज फरमाएं कि बातिनी अमराज में कसरत से मुब्तला हूं।

कि ब्र व नख्वत, जह्ल व गफलत,
हिक्द व कीना, बद जनी,
किज्ब व बद अह्दी, रिया व बुग्ज व
गीबत, दुश्मनी।
कौन बीमारी है यारब जो नहीं
मुझमें हुई,
आफिनी मिन् कुल्लि दाइन वक्जि
अन्नी हाजती।
इन-न ली कल्बन सकीमन, अन-त
शाफिन लिल् अलील॥

तीसरी चीज जिसका रोजेदार को एहतमाम जरूरी है, वह कान की हिफाजत है। हर मकरूह चीज से जिसका कहना और जबान से निकालना नाजायज है, इसकी तरफ कान लगाना और सुनना भी नाजायज है। पैगंबर साहब का इर्शाद है कि गीबत का करने वाला और सुनने वाला दोनों गुनाह में शरीक हैं। चौथी चीज बाकी आजा-ए-बदन, मसलन हाथ का नाजायज चीज के पकड़ने से, पांव का नाजायज चीज की तरफ चलने से रोकना और इसी तरह और बाकी आजा-ए-बदन का, इसी तरह पेट का इफ्तार के वक्त मुश्तबहा चीज से महफूज रखना, जो शख्स रोजा रखकर हराम माल से इफ्तार करता है, उसका हाल उस शख्स का सा है कि किसी मर्ज के लिए दवा करता है, मगर उसमें थोड़ा सा संखिया मिला लेता है कि उस मर्ज के लिए तो वह दवा मुफीद हो जाएगी।

शाहगंज लूटकांड-पुलिस को मिली सफलता, घर में बंधक बनाकर लूट करने वाला बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

प्रखर शाहगंज जौनपुर। बीते 31 जनवरी की रात नगर के पुराना चौक स्थित आभूषण व्यवसाई के घर में बंधक बनाकर लूट करने वाला बदमाश, पुलिस मुठभेड़ में हुआ गिरफ्तार। शाहगंज, सरपतहां व खेतासराय की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा 25 हजार रुपये का इनामिया अभियुक्त सन्त प्रसाद लोना पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, कब्जे से लूट की घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, एक तमंचा 315 बोर, एक खोखा 315 बोर, 3 जिन्दा कारतूस व 15700 रुपये नगद तथा 158 चांदी की बिछिया बरामद को बरामद किया गया है। विज्ञप्ति के अनुसार पुलिस चेकिंग के दौरान भरौली मार्ग पुलिया के पास जमदानीपुर दीदारगंज आजमगढ की ओर से शाहगंज आने वाले मार्ग पर एक मोटरसाइकिल आती हुई दिखाई दी, जिसे रोकने का ईशारा किया गया। सामने पुलिस बल देखकर बाइक सवार बदमाशों द्वारा पुलिस टीम पर फायर कर दिया

गया। जिससे थानाध्यक्ष शाहगंज बाल बाल बचे व आत्मरक्षार्थ हेतु पुलिस टीम द्वारा फायर फायर किया गया, जिससे एक बदमाश को गोली लग गयी व घायल होकर गिर पड़ा तथा दो अन्य बदमाश अंधेरे का लाभ लेकर भागने में सफल रहे। घायल बदमाश को प्राथमिक उपचार जिला चिकित्सालय जौनपुर के लिए रेफर कर दिया गया। घायल बदमाश सन्त प्रसाद लोना उर्फ करिया पुत्र हरिहर लोना उम्र 28 वर्ष, ग्राम मोलनापुर थाना अहिरौला जनपद आजमगढ का निवासी है। गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष शाहगंज तारकेश्वर राय, प्रभारी निरीक्षक सरपतहा दीपेन्द्र सिंह मय टीम। थानाध्यक्ष खेतासराय त्रिवेणी सिंह मय टीम।, उ.नि. सैय्यद हसन जफर रिजवी, हे.का. जितेन्द्र पाण्डेय,हे.का. अनुज सिंह,ह0.का. सलीम खान ,हे.का. दिवाकर यादव,का. बृजेश मिश्रा, का0 ज्ञान प्रकाश सिंह,का. नीरज कन्नौजिया, का. उपेन्द्र पाल ,का. अनुपम कुमार,का. अजय वर्मा थाना शाहगंज जौनपुर रहे।

नदी में डूबने से 48 वर्षीय व्यक्ति की मौत

प्रखर संतकबीरनगर। ग्राम बुद्ध खुर्द थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संत कबीर नगर निवासी बुधिराम पुत्र केतारु उम्र करीब 48 वर्ष जो कल दिनांक 4.2.2024 को शाम करीब 4:00 बजे के आसपास कठिनाइयां नदी में मछली मारने गए थे जिनेको ठंड लग जाने से नदी में डूबने से मृत्यु हो गई है।सूचना पर पहुंचे चौकी प्रभारी कांटे राकेश कुमार मय पुलिस बाल के साथ मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम है मोर्चरी हाउस भिजवाया गया तथा आवश्यक कार्यवाही हेतु विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

महिला मित्रों व अपने शौक पूरा करने के लिए उड़ाते थे बाइक

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। मंडुवाडीह पुलिस ने चोरी की 4 बाइक समेत 2 लोगों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों ने चोरी की घटनाओं में शामिल होना कुबूल किया। मंडुवाडीह थाना प्रभारी भरत उपाध्याय ने बताया कि विगत जनवरी महीने में बीएल डब्लू से एक बाइक चोरी हो गयी थी और उसी की छानबीन में पुलिस जुटी हुई थी तभी रविवार की देर रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि 2 संदिग्ध लोग एक बाइक को बेचने की फिराक में खड़े हैं जिस पर मुखबिर की सूचना पर विश्वास करते हुए पुलिस की टीम ने उक्त स्थान पर छापेमारी की तो वहां बाइक के साथ 2 लोगो को हिरासत में लिया गया और उनकी निशानदेही पर 3 और बाइक बरामद की गयी। पूछताछ में आरोपियों का नाम विजय कुमार पटेल 22 वर्ष निवासी निगतपुर थाना कछवा जिला मिजार्पुर व राजेश कुमार 27 वर्ष निवासी थाना असिवन जिला उन्नाव बताया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वह सिगरा क्षेत्र में किराए का मकान ले कर मजदूरी का कार्य करते थे और कही भी किसी बाइक को देख उसे चोरी कर नंबर प्लेट बदल कर बेच देते थे और उन पैसों से अपनी तथा अपने महिला दोस्तों की जरूरतों को पूरा करते थे। वह यह कार्य पिछले कई महीनों से कर रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ सिगरा व मंडुवाडीह थाने में मुकदमा दर्ज है और अभी इनके बारे में और छानबीन की जा रही है।

उ0प्र0 में लागू हो पत्रकार सुरक्षा कानून और पत्रकारों को मिले गुजारा भत्ता व कैशलेस ईलाज का लाभ : आशुतोष सिन्हा (एमएलसी)

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। उ0प्र0 विधानसभा के चल रहे बजट सत्र में सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने विधान परिषद की कार्यवाही के दौरान पत्रकारों की सुरक्षा के लिए उ0प्र0 में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने तथा उन्हें गुजारा भत्ता, कैशलेस ईलाज और अन्य बुनियादी सुविधाओं से लाभान्वित किए जाने की मांग की है उन्होंने अपने संबोधन में कहा है कि पत्रकारों द्वारा सरकारी तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अराजक तत्वों के विरुद्ध खबरों को उजागर करने में उन्हें निरंतर धमकियां मिलती रहती हैं और उनके साथ मारपीट एवं अन्य कई दुर्घटनाएं भी होती हैं जिससे कई कलमकार अपनी जान

गवां चुके हैं इसके साथ ही उनकी आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय होती है जिसके कारण उन्हें अपना व परिजनों का गुजारा करने में भी काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ता है इसलिए पत्रकारों की सुरक्षा हेतु पत्रकार सुरक्षा कानून को लागू करना अति आवश्यक है इसके साथ ही उनका कैशलेस ईलाज,नए पत्रकारों को 10,000 एवं 20 वर्ष तक कार्य कर चुके वरिष्ठ पत्रकारों को 25,000 प्रति माह गुजारा भत्ता उन्हें अन्न योजना से लाभान्वित करना एवं आवास विकास व विकास प्राधिकरण के माध्यम से नो प्रॉफिट-नो लॉस के आधार पर भवन/प्लॉट उपलब्ध कराया जाना जनहित में है। विदित हो कि इस समय उ0प्र0 विधानसभा का बजट सत्र-2024 चल रहा है जिसमें विपक्ष द्वारा जनहित के विभिन्न मुद्दों पर सरकार को लगातार घेरा जा रहा है।

ईवीएम व वीवीपैट मशीन का किया गया प्रदर्शन

प्रखर पटहेरवा, कुशीनगर। लोकसभा चुनाव की तैयारियां अब शुरू हो चुकी हैं। राजनीतिक दलों के अलावा प्रशासन भी अब तैयारियों में जुट गया है। तहसील प्रशासन की ओर से ईवीएम व वीवीपैट मशीन लगाई गई ताकि मतदाताओं को मशीन की जानकारी दे सकें। नए मतदाताओं को मशीन की जानकारी भी दी जा रही है। ईवीएम-वीवीपैट को लेकर कुछ राजनीतिक लोग सवाल उठा रहे हैं। ऐसे में निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार आम जनता को ईवीएम-वीवीपैट की विश्वसनीयता दिखाने के लिए सोमवार को तहसील प्रशासन की तरफ से शिविर लगाया गया, जिसमें ईवीएम- वीवीपैट मशीन का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान वहां पहुंचने वाले दर्जनों लोगों से ईवीएम का

बटन दबवाया गया तथा उसी चिह्न की पर्ची दिखाई गई। लेखपाल संघ तमकुहीराज के अध्यक्ष शैलेश मिश्रा व रजनीश उपाध्याय ने बताया कि मतदाता जागरूकता अभियान के तहत प्रतिदिन ईवीएम व वीवीपैट का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस क्रम में सोमवार को ग्राम पटहेरवा, मोगलपुरा, पिपराकनक, विशुनपुरा (फाजिलनगर में समउर मोड़) , बसडीला महन्थ, रजवटिया के ग्रामीणों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के समक्ष ईवीएम और वीवीपैट मशीन का प्रदर्शन और परिचालन संबंधी प्रयोग कराया गया। जिससे कि आम नागरिकों को ईवीएम में अपने मताधिकार के कार्य प्रणाली के संबंध में जानकारी प्राप्त हो सके। इस दौरान लेखपाल राजीव कुमार, लेखपाल नर्वदेश्वर सिंह, रामप्रवेश गौतम, अशोक सिंह, शम्भू सिंह, राजू खान, आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा चलाया गया सफाई अभियान

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के मानवीकीय संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना की तरफ से सोमवार को एक दिवसीय स्वच्छ्ता शिविर का आयोजन किया गया` कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एन.एस.एस.समन्वयक डॉ.रविंद्र कुमार गौतम ने कहा राष्ट्रीय सेवा योजना में स्वयंसेवक को दो साल की अवधि में कुल 240 घंटे की सामाजिक सेवा समर्पित करना आवश्यक है उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जन्म शताब्दी 24 सितम्बर 1969 में राष्ट्रीय सेवा योजना इस आशय के साथ प्रारम्भ किया गया कि उच्च शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों में सामाजिक दायित्व, चेतना, स्वप्रेरित अनुशासन के साथ श्रम के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न हो इस कड़ी में मुख्य वक्ता प्रोफेसर आनंद शंकर चौधरी ने कहा स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से युवाओं के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य है`'सेवा के माध्यम से शिक्षा' यह एनएसएस का उद्देश्य है अगले वक्ता के रूप में डॉ.आशुतोष त्रिपाठी ने कहा कि एन.एस.एस.का मुख्य उद्देश्य छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र के विकास के साथ-साथ राष्ट्र सेवा के लिए उन्हें जागरूक करना है` डॉ.मनोहर लाल ने कहा कि एन.एस.एस का आदर्श वाक्य मैं नहीं,बल्कि आप है,जो लोकतांत्रिक भावना को दशार्ता है इसकी वैचारिक अवधारण महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित है जिसमें जन-जन का और समाज का कल्याण निहित है` कार्यक्रम अधिकारी डॉ.अंजना वर्मा,डॉ.शैलेश कुमार एवं डॉ. वीणा वादिनी के नेतृत्व में शिविर में शासन के निर्देश के क्रम में स्वच्छता जागरूकता का कार्यक्रम चलाया गया साथ ही कार्यक्रम अधिकारी एवं छात्र- छात्राओं ने मानविकीय संकाय

परिसर में स्थित जे.के.महिला छात्रावास,प्रेस एवं प्रशासन विभाग तथा कर्मचारी आवास के सामने साफ सफाई का कार्यक्रम किया। छात्र-छात्राओ ने एन एस एस ने ठाना है,विद्यापीठ स्वच्छ बनाना है एन एस एस ने ठाना है,काशी स्वच्छ बनाना है` एन एस एस ने ठाना हैभारत स्वच्छ बनाना है जैसे नारों के साथ रैली निकाली एवं परिसर की साफ-सफाई की,शिविर का संचालन डॉ. अंजना वर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. वीणा वादिनी ने किया।

रोटरी क्लब ने लगाया निः शुल्क नेत्र जांच शिविर, 207 मरीजों की हुई जांच

मोतियाबिंद आपरेशन हेतु 59 मरीज हुए चिन्हित

प्रखर कुशीनगर। अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संगठन रोटरी क्लब कुशीनगर एवं राज आई हॉस्पिटल, गोरखपुर के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को जूनियर हाई स्कूल, सिरसिया (बाबा साहेब आप्टे नगर) के प्रांगण में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान 207 मरीजों की जांच हुई। उनमें 59 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किए गए। मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित मरीजों का इलाज एवं ऑपरेशन निःशुल्क रुप से राज आई हॉस्पिटल, गोरखपुर में कराया जाएगा साथ ही मरीजों को वाहन की सुविधा भी मुहैया कराई जाएगी। रोटरी के अध्यक्ष वाहिद अली ने बताया कि क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों के आंखों का निःशुल्क इलाज व चिन्हित मरीजों के ऑपरेशन में रोटरी की पूरी टीम हर संभव मदद करती रहेगी। इस अवसर पर रोटरी के अध्यक्ष वाहिद अली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष दिनेश कुमार यादव, उपाध्यक्ष

संदीप रौनियार, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुवेर्दी, पूर्व अध्यक्ष अनिल जायसवाल, संयुक्त कोषाध्यक्ष सदरे आलम, डॉ सुनील सिंह, राजाराम जायसवाल, सरवरे आलम (छोटे), लतीफ अंसारी एवं आदिल खान उपस्थित रहे। नेत्र जांच टीम में डॉ रेहान खान, डॉ ऋषि मौर्य, अंकित दूबे, हर्ष त्रिपाठी, शमशाद, श्री रामजानकी सेवा समिति के व्यास दूबे, व्यवस्थापक डॉ. संजय कुमार सिंह, लप्पू दुबे, मुन्ना सिंह, अखिलेश सिंह, रमेश पटेल, राधेश्याम यादव, आदर्श प्रताप सिंह, रामध्यान यादव, श्रवण वर्मा, रामकृपाल, अनिल, चंद्र प्रकाश, उमेश दुबे ने शिविर में सहयोगी भूमिका निभाई।

जौनपुर के डा. विकास यादव ने रचा इतिहास

अपने बांये हाथ से कर दिया जटिल आपरेशन, लीवर व पित्त की थैली बायें के बजाय दायें रही, सामान्य से काफी अधिक समय में हुआ आपरेशन

प्रखर जौनपुर। किसी बड़े एवं जटिल कार्य को आसानी से करने के बाद अक्सर लोग यह कहते हैं कि मैंने तो उसे अपने बांये हाथ से कर दिया। यह सुनकर अमूमन लोग यह समझ जाते हैं कि यह व्यक्ति काफी दक्ष है तभी तो जटिल कार्य को बड़ी आसानी से कर डाला। यही बात जनपद के एक ऐसे युवा सर्जन पर सटीक बैठता है जिन्होंने न सिर्फ एक मरीज का जटिल आपरेशन किया, बल्कि जौनपुर के चिकित्सकीय किताब में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में भी लिखवा लिया। उक्त चिकित्सक डा. विकास यादव हैं जो मुम्बई से पढ़ाई करके नगर के नईगंज में वासुदेव अस्पताल का संचालन कर रहे हैं। डा. विकास (लेप्रोस्कोपिक मिनिमल इन्वेसिव सर्जन) के अनुसार उनके यहां मछलीशहर निवासी रेनू यादव नामक एक मरीज आयी जिसमें पेट में पिछले कई दिनों से दर्द हो रहा था। अल्ट्रासाउण्ड से पता चला कि पित्त की थैली में पथरी है परन्तु इस

दौरान आश्चर्य वाली बात यह पता चली कि उसके भीतरी अंग सब उल्टी हैं। यानी लीवर अथवा पित्त की थैली बायीं तरफ है जबकि अमूमन सबको दायीं तरफ होता है। डा. विकास ने बताया कि इस परिवर्तित स्थिति को साइटस इनवर्सस टोटेलिस कहते हैं जो जानकारों के अनुसार 50 हजार में से किसी एक को होता है। फिलहाल उक्त मरीज का आपरेशन शुरू हुआ जिसमें सामान्य आपरेशन से कई गुना अधिक समय लगा और अंततः सफलता भी मिल गयी। इस बाबत पूछे जाने पर डा. विकास यादव ने बताया कि शरीर के भीतरी अंग के स्थान परिवर्तन पर होने पर आपरेशन करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जैसे सामान्य रूप से हम जैसे चिकित्सक अपने दायें हाथ से आपरेशन करते हैं लेकिन उपरोक्त स्थिति में बांये हाथ से आपरेशन करना पड़ता है जो सामान्य स्थिति से एकदम विपरीत है। उन्होंने बताया कि इस तरह का जटिल आपरेशन जौनपुर सहित आस–पास के जनपदों में सम्भवतः पहला माना जा रहा है। फिलहाल मरीज की स्थिति एकदम ठीक है। वहीं मरीज सहित उनके परिजन डा. विकास यादव की हृदय से तारीफ कर रहे हैं।

क्या होता है साइटस इनवर्सस टोटेलिस?- साइटस इनवर्सस टोटेलिस के मामले में इंसान की किडनी सहित शरीर के सभी अन्दरूनी अंगों का स्थान परिवर्तित हुआ रहता है। ये सभी एक तय स्थान पर नहीं होते लेकिन इसके कारण इंसान को कोई खास परेशानी भी नहीं होती है। वह पूरी तरह स्वस्थ व्यक्ति की तरह ही होता है।

गौरवशाली रहा है क्षत्रिय समाज का इतिहासः सुरेंद्र सिंह

प्रखर कुशीनगर। श्री राम सेवा ट्रस्ट क्षत्रिय महा संघ व क्षत्रिय समुदाय कुशीनगर द्वारा तमकुहीराज क्षेत्र के सरस्वती पब्लिक स्कूल पडरी विशुन दयाल में बैठक आयोजित कर सांगठनिक मजबूती पर बल दिया गया। रविवार को हुई बैठक के मुख्य अतिथि सुरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि क्षत्रिय समाज का इतिहास बहुत ही गौरवशाली रहा है तथा राष्ट्र हित में यह समाज सदा समर्पित रहा है। हमें अपने मान, सम्मान व हक के लिए आगे आकर संघर्ष करना होगा। तभी हमें राजनैतिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से सफलता मिलेगी। विशिष्ट अतिथि नागेंद्र सिंह ने सेवा निवृत दो सेना के जवानों को सम्मानित किया। नागेंद्र सिंह विजय सिंह, राम किशोर सिंह राजेश सिंह आदि ने अपने विचार रखे। अध्यक्षता राम प्रवेश राव व संचालन दुर्गेश सिंह ने किया। इस दौरान अशोक सिंह, जनार्दन सिंह, अरविंद सिंह, श्याम बहादुर सिंह, संतोष सिंह, मुन्ना राय संतोष सिंह ,आनंद सिंह ,विजय सिंह, अशोक सिंह , लोकनाथ सिंह, परभुनाथ सिंह, सुभाष सिंह , हरेंद्र सिंह ,आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

राजापुर में जगद्गुरु स्वामी अनंतानंद सरस्वती के सान्निध्य में होगा 12 से 15 फरवरी के बीच पंचम धाम महायज्ञ

जखनियां। गाजीपुर। झारखंडेय महादेव मंदिर राजापुर के प्रांगण में नूतन विग्रह प्रतिष्ठा महा महोत्सव के आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू हो गईं है। यहां 12 से 15 फरवरी के बीच पंचम धाम महायज्ञ होगा। पंचम धाम के महासचिव शैलेश वत्स ने कहा कि राजगुरु मठ वाराणसी के जगद्गुरु स्वामी अनंतानंद सरस्वती के सानिध्य में होने वाला यह कार्यक्रम भविष्य के लिए नई ज्योति का काम करेगा। महायज्ञ के दौरान पंचम धाम गोष्ठी का आयोजन संतोष राय के विद्यालय पीआर इंटरनेशनल स्कूल करीमुद्दीनपुर पर किया जाएगा। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न जगहों से मनीषियों, समाजसेवियों व धर्म प्रेमियों का समागम होगा। पंचम धाम कार्यक्रम के संयोजक सरोज राय ने मन्दिर पर होने वाले महोत्सव के लिए आसपास के गांवों में प्रवास प्रारंभ कर दिया है।

मानसिक चिकित्सालय में बनने वाले 520 बेड के मेडिकल कॉलेज के लिए बजट पास

प्रखर वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय की तरह दीनदयाल के सामने मानसिक चिकित्सालय परिसर में खाली पड़ी जगह पर मेडिकल कॉलेज के लिए बजट पास हो गया है। बता दें कि योगी सरकार ने 400 करोड़ का बजट पास किया गया है। जिसमें 520 बेड का मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल होगा। जिससे वाराणसी, मऊ आजमगढ़, जौपुर , बलिया, इत्यादि जगहों से आने वाले मरीज की भीड़ बीएचयू में कम होगी और इनको बीएचयू जैसी सुविधाएं मिलेगी। जिसके लिए जमीन का चिन्हीकरण का कार्य पूर्व में ही किया जा चुका है। बजट की घोषणा के बाद जल्द ही मेडिकल कॉलेज का कार्य धरातल पर शुरू हो जाएगा।

सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए सहभोज कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रखर संतकबीरनगर। 4 फरवरी 2024 सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए धर्मसिंहवा नगर में स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में सामूहिक सहभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सहभोज कार्यक्रम में गणमान्य लोगों ने पहुंचकर सामाजिक समरसता व भाइचारे सहभोज कार्यक्रम में पहुंचकर पर अपने विचार व्यक्त किए। आयोजक राजेश तिवारी ने बताया कि सामाजिक समरसता सहभोज का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य है कि समाज के हर वर्ग के लोग एक साथ मिलजुल कर जीवन में समरसता के साथ आपसी सहयोग से जीवन जी सके। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य समाज के हर वर्ग के लोगों से मधुर रिश्ते रखने के साथ जीवन में सुख दुख में सहभागी बनना है। समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य है सहभोज कार्यक्रम। जिससे आपसी प्रेम भी समाज के सभी लोगों में बना रहे। इस तरह की तमाम बातो को आयोजक लार्ड बुद्धा जी फाउंडेशन के अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी द्वारा कहा गया। इस सहभोज समारोह में दुर्गा राय, डॉ सर्वेश्वर पांडेय, शिवाजी शुक्ल, रामचंद्र शुक्ल, विनोद पांडेय, प्रदुम्न यादव, विनोद उपाध्याय, अजय प्रजापति, श्री प्रकाश श्रीवास्तव, अशोक मध्देशिया, रोहित पांडेय, रामआसरे दास, तारकेश्वर पांडेय आदि सैकड़ों लोग सहभोज कार्यक्रम में सहभागिता किया।

यूपी की मेगा बजट में रोजगार की गारंटी नहीं रोजगार विरोधी बजट रहा : शशिप्रताप सिंह

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। नेशनल इक्वल पार्टी के अध्यक्ष शशिप्रताप सिंह ने यूपी विधानसभा में आज पेश मेगा बजट पेश हुआ जो समझ के परे दिखाई देता है बजट में रोजगार की गारंटी कही नही दिखी,स्वास्थ की गारंटी नहीं अनिवार्य और निःशुल्क शिक्षा की गारंटी नहीं है 69000 शिक्षक बहाली की गारंटी नहीं,महिलाओ को 50 प्रतिशत भागीदारी की गारंटी नहीं।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं